

# बिबिक्तिदेश समा

# कुमला होतिनी



### এপ্রসন কুমার দাস বসু কর্ত্ত

বিরচিত

# কলিকাতা

হৈতনাচজোন্য যন্তে মুখান্ধিত চিত্পুর রোড বট হলা ২৪৫ নং ওবন। সম ২২৭৪ ৮ ই মাঘ।

।ই পুস্তক থাহার প্রযোজন ছইবে বটতলা নজীরাদি দোকানে নিয় লিখিত মূল্য প্রেরণ করিলে পাইবেম।

ু প্ৰতি খণ্ড।।। আনা মাত্ৰ

अने भक्त अवस्थानिक क्रमांगरीक विषे (रहत विशेष न्तान्न प्राधिक छ १ पहिला व्यवस्थि स्मिष्नपृथाल है। उन्ह हरसाम्य गर् औरिक्सनहान बन्नाभाषाः দারা মুদ্রিত,

চপ্রিকা ব্রত প্রকাশাভিলাবে ক্সনভারিণী রহান্ত যথা সাধা ক্রমে বর্ণনা করিলাম। ভাঁছারা মহামা-য়ার আদেশানূর্যীরে পুনঃ জন্ম গ্রহণ করত ঐ ভ্রন্ত প্রচার করেন। কিন্তু আমি একেবারে নামসসিদ্ধ **६हेर्ड श**ांतिलांग ना । शांति छन विशीन, शांठेकः মহাশয়েরী সকল দেখি সংশোধন করত এ অভা-कत्न कड़नी थाकांग अर्लक गाधिक कहिरकः। আপাততঃ ভয়োৎসাহ হইয়াছি মদাপি কমল-তারিণী গ্রন্থখানি কোন মতে মহাশর্দিগের শবঃ क्दर्भ आत्माम अमाहित्व भारत, जाहाहरेल আমি অচিরে চণ্ডীকা ব্রত প্রাচার করিয়া আপ-লাকে ক্লতার্থ বলিয়া বোধ করিব। ত্রীপ্রদার কুমার দাস বসু ৪ মাখ।

# নিষ্ণীপর।

अथ भरनम् रन्त्र	۵
ज्यथ गतुष्ठ जी दन्त्वाः	ş
ज्य शकात वन्त्रमा	.9
অথ আঅপরিচয়	¢
অথ গ্ৰন্থকা	8
ছোগ রাণীর গভের সঞ্চার	Shi
<b>बि</b> च दाजात भुङ्ग	22
অথ ক্ষণের জন ও রাজ্প্রাথি	) in
মথ মত্তমেন রাজার কন্যাবর প্রাপ্তি ও	
ভারিণীর জন্ম	+ 7
স্থ বাল্যকীড়াছলে তারিণীর চাঙিকা	
শ্রাধন।	:4
অথ তারিণীর গৃহ গঠন	\$5
व्यथ कमत्त्रत मृशस योज।	ત્ત્રપુ
अथ कमलात जाविज्ञानात अवन्य उ	
লিমীর সহিত সাক্ষাৎ	Çq

### নিঘাইপত্র।

खथ मानिज़ी, रुष्ट्रक जीतिगीत कर्श, नर्गन অণ মার্নিট সহিত রাজার যুক্তি অধ ক্মলের কৃত মালাতে তারিণীর চণ্ডিকা পূজা অথ মালিনীর সৃহিত ক্থা ও উঘাহরণ **उशा**शान অথ কমলের উক্তি ও তারিণীর স্বয়দর্শন অ্থ ক্মল তারিণীর দর্শন অথ ক্মলের পরিচয় অথ তারিণীর পরিচয় ও কমলের মায়া ভক অথ কমল তারিণীর গন্ধর্কবিবাহ ও মালি-नीत नाका অথ ক্ষল তারিণীর শৃদার অথ দিবাশৃঙ্গার অথ দিবাশুলারান্তে তারিণীর মান অথ তারিণীর মান ভূঞ্নার্থে, নাগরের সাধনা

# निष्णेश्व ।

অথ তারিণীর মানে কমলের বিদায়	308
ण्यं क्यानत चीरम्रमं भगन	555
<b>খ</b> ং তারিণীর বিচ্ছেদ	226
অগ তারিণী কর্ত্ব চৌত্রিশ অক্ষরে চ	<b>19</b> -
কার তব ":	57.2
ভথ মৃতদেন রাজার তপ্রস্থান	\$ 7.6
ত্থ রাণীর তারিণীকে দিজাদ।	720
एश हुउ नर् कमलात खाविछनशत शमन	705
ছথ ক্ষণ তারিণীর গাতে হরিত্র	". <b>3</b> 9
অথ কমল তারিণীর বিবাহ	780
অথ বা্দর বন্ন	345
ष्य कमन जातिनीत सामान जमन	>0 <b>0</b>
অথ ক্যল তারিনীর দেহ ত্যান	స్థిత్రం

निर्वणे मगारः।

# व्यश्रातम् वनन्।

बन्द्र अंतिक भावः वन्त्र सिव भगतात्रः अक प्रश्न कुछन् व्यम श्रमित्र अरमद्राः हरूक् ल लस्यापदः वियुवान भन्तीत जुदन ॥ किक्व वात्भद्र रेलाचः, व्यास्त्र एक वृद्धि छाउ।, शीलास्त धान चुण्याचन । जूबि (मद (मद थाला, काळारना कांगमांडा, मर्क्स (करवंद्र व्यद्धारक श्वम ।। चुनि ८ जू महामहः विश्व वरण त्यस्य स्वतः পর্ম অত্রে ভোমানে পুরুষ। विभाग मझाठे भाष्ट्र, खन माम यान न्यान, ति दिनाम पूर्वः इति यशि ।। সিদ্ধিলাতা তব নাম, সিদ্ধি কর মন্তাম,

ब मारमत बह आकिश्वन। 🚲

भारतिशै कित भूजात, नम एव का कर दृष्टि विका श्रीहतन !! कामि क्षेष्ठ के नहींन, नाहितृष्टि का उर्देशम स्मृदिश महत्व के होन कृतात कांद्रशास, भूत कर मन बहै किका मानि हत्तरह !!

# অथ मत्रवडी रक्ता।

वस्त प्राष्ट भवश्व है। हतन युन हो।

त्या वाम नहा प्राप्त किंक भवन्द ।।

त्या वाम नहा प्राप्त किंक भव क्ष ।

हतन युन हो प्राप्त कारक निकेशिक ।।

वाक्यामिनी प्राप्ता कृष्ति वीशानामि ।

कोटर वाका मान मिला वाम क्षेत्रानामि ।।

त्या मान क्ष्म वाद्य क्षा क्षम ।।

त्या मान क्ष्म वाद्य क्षा क्षम ।।

त्या मान देवला अश्व वाद्य मानिता ।

विवाद मानिता ।

विवाद मानिता ।।

विवाद मानिता ।।

#### कश्च जाइदरा

ার মহিমা মাতা কে বর্ণিকে পারে।
বিভিন্ন পারে তব স্কুপা হয় যারে।।
বিদ্যালয় মাতা দেমা পদছারা।
কিকানের আবিঞ্চিন প্রাও অভয়া !।
তি অধিষ্ঠান বাকা প্রদায়নী।
তি নান্য পূর্ণ করবে। জননী :।
বিদ্যালয় ইবলে তব শ্যুতকো
।
মন মতে যেন চর্ল ফুল্বো

### क्रध गञ्चात वसना

नभाकः सूरवस्तो सूर देशवनिनी। यहीतं शक्ताकृत्य छत्तम् कृतिनी।। त्रं भक्ताकिनी भाषां त्यत्त छिक्ताकिनी। खात्मक खात्रवर्धा भट्ठां सूर्वस्ती॥ तं दहेत्व भाषाः विकृत्यस्टलः। सन् ताबिन छक्तानिक कृत्रखत्।।

প্রিত্ত করিলে মাতা জন্মার ভবন ৷ 🔻 ঋংনীতে অনে তোমায় দিল্লীপ নন্দন ডাহার তপ্রা কল খ্যাত ত্রিভূরনে। **খ**বতী**বুর্হলে মান্ডা যাহার কার**ণে ॥ ্ উন্ধারিলে তার বংশ রেল স্বর্যবাসে। অন্যাপি ভাহার কীর্তি-সর্ব জনে গোষে।। ঋষীমা মহিনা তোমার কে বর্ণিতে পারে ভত্ত জানি ত্রিপুরারি রাখিরাজেন শিরে।। सूत्र देशवनिनौ शस्त्र खिशव शामिनो । নিরাকার জলময়ী তিমির নাশিনী।। শত শত মৃতকায়া পড়ে ভব জলে। मब्रा कति महाग्यी कतिबाह काला। ধর্শনে স্পর্শনে মুক্তি সৈর উক্তি শুরি ৷ মোক্ষপদ পায় জীর পরশিলে পানি ॥ नाना छीर्थ स्वाहर मारता अ मही मछाता। भन टोर्थ कन बाळा कता छ। स्वासा नर्स कीर्थ मही गोल स्मृतागालकोनः। भारतास्त्र विभारता एटन विद्यान कांत्रिकी ।।

### काम जातिकीयः

bo शावनी शाक्ष कुलुब महिन्दी (१६०) ন সর্বতে ভারা ছাইলে ছান্টা 👬 🐠 পালে পাপীখনি হয় কোন ক্ষায়াল 🔞 टटि एक्स यनि क्या नाइभावन ।। 🤫 👉 ায়াসে লভে নোক শিব উদ্ধি শুনি 🞉 হেতু ভব নাম জুদশ আরিণী-গ 🚳 মির মহিমা মতে। খ্যাত চর্চের। র ধরি তিপুরামি মাম*গাঞ্*পর ।। 🗀 ম অতি শিশুমতি নাহি আৰোদয়। रनत अक्तिया शूर्व (यन इत्।।। চসল্ল বসুভিকা মাত্য করপুটে। हुकाल स्थान रयन शाहे स्व छाड़े 🛊 🦟 Capeting Co.

কাত্য পরিচয়।

ত্যতে গুণী সরে কার্যর বিষয়।

কপেতে কহি কিছু স্বাচ্ছ পরিচয়।

কেতে গুণাকুল ক্ষেত্রকার আনর

পরি কর্মাকুল ক্ষেত্রকার বান্

কাভিতে দ্লিকের যান কারস্ কুলেছে। ৰমু বৎশেতে উম্বৰ গৌতম গোজেভে।। আমা পুরুষ সকলেয় তথার বসতি ১ खरन खेलकत मरव भूष भएत मण्डि ।। " মহা পিতামহ আমার ভাই পঞ্জন। क्रिके अभयुष्य गर्स सुलक्षा। श्चकार्मिता (महे ककी कित्र निर्विभनः। নৎপ্রতি ধাপধাভার বাহার কারণ।। গণনে সামান্য আম কেহ্ জানে। काट्य नमी माटमायत सुन्मकः त्यथाहन ।। ঐ গ্রাম বাসী আছে দৃত্ত করেক জন। জাতিতে কারস্থ ভার। মৌলিকে গণন ॥ **डेभारि शक्**ता जैत्वित नर्सत्नादक कादन। पद्माणील भूगाबाज जिटह खिल्लाहर । के वयरण करवद्यान शिक्त विश्वन सम्भान अक् कना। हिन जीत नाविक छुन्। म तामस्पात् तिका स्टब्स् एम्हरका भागानी ह रमुद्भात दुर्नादलस्य स्मन देशहरू असोशीमनी ॥

ভার গত্তে কামালেক চারিটি মন্দন। भवम सुप्तत भट्ट मर्स समामन स (कार्य देश्य शक्यम किंग्रीय किंग्र ।" **छ छोत्र दाहिरमोइम् हर्फ्य मारमान्द्र ॥** ।ই চারি পুতা বাস কবেন ভর্তার। शंखांमरइत विषय नाइना ममुनग 👫 🦠 कार्ष वाष्ट्राञ्चल इत्र कि महि नासम् বিশেষিয়া সেই কথা কর্ব শ্রবণ 🕕 🛒 प्रवृक्ष धनकृष्ण जात शानकृष्ण । विक्**रक हेशास्त्र भक्ता**लः (कार्य)।। ভার সম পুণ্যধান কছু দেখি নাই। समिरलन माना छोर्थ छात्र मध्या नाहे।। ভার অৎশে জান্ম মোরা ভাই চারি জন। नर्स निष्ठे आहि दक्तन कामि होनकन्। नारि विमा भूगम्बा नारि कादमामा বালাকালে পিভা মাধার পরনোক হয়।। विमा। विका इनकाश्रीम आहेरलः कामात्र ह भागानारमध्यम् दशक्ष मध्यदिक्षः भाव ॥

পিতা নবকুকাপদ ভাৰি মনে মনে ৷ সংসারের চিন্তা করি জ্ঞানি স্থানে খা माम मान किलास द्रार्ट का मीत है क्यन ভाরिनो लोना कड़िएक खहातः॥ পরাধীন জনের জাশা নিদ্ধ নাহি হর। नाधित्मत्र माथ शूर्व खविलस्य इस ॥ कारिया हश्लोका शर श्रेंटम केति मात । 🐃 ভাঁখার কুশার গ্রন্থ হইবেভাগার।। পাঠক মহাশয়বর্গে এই নিবেদন্। 👑 उठनात (मायारनाय करतम् मार्केन्सः॥ 🔑 ইহাতে অশুদ্ধ যদি জনজনে হয় ৷ म (मार्थर गर्देन स्मारत मिर्दान अन्नम् ॥ . खने। जनात्र कांत्रिकारीय कामरथा अनामके महा नरा अञ्चलका वरिश्राम मामार वर्षभाटमत्र माभिक्षां भावनिक्रमानीक পদ্ধ:পাতি ধাক্যখাড়াছোবেবিজ্ঞান মনাণ कथात का निर्दे गरेक अंगोरेको भाषा ध्येतकुमात मार्गाच्या वर्णानाचा।

চ্চতে ভাবি চণ্ডীকারকরণ কথানি। বির্ভিত নবকার কমল তারিণীনা

# अर्ष्ट्रंट क्रमी।

करछीनशदा वाका क्यूट्रिन नाम ! श्रीन मश्रीवस्त्र खदन श्रवभागः। जारिश कार्डिक वीर्या **कार्क्स मीरमा**महत्त क्ष्टा ताक्ष कराय निवस्ते।। ানে কণ সম রাজা মাসে **ছর্মেগ্রন**। লিভার চন্দ্র যেন প্রভালেস্কারণ 🖽 গাবন্ত নরপতি সুশীক্ষা সুধীর 😥 🦾 कांत्र भीतरन रचनन्त्रास्त्र। सूर्वशक्षेत्र ना विभीन बिटडिक्किय कटनिक्कक्षकत्। 🖟 🔞 जीव (नवन ब्रोक) करत निवक्का 🖰 🥕 त्रविषं करत हाला काठीच एकत्वा । |रागाल गमाथी आह्रम अने करें।

निज्ञि बद्धरुष्ठ गांधी निक्रम रहेग সহাতেকোমর যেন বিভীয় তপন।।° ক্লাক সভামধ্যে আদি হৈল উপস্থিত। ষেথি স্ভাসদগণ হৈল চমকিত।। নি হাসন হৈছে রার উঠিল ভ্রম। जिक्कार्य मनामीतं विकल हेत्र्।। গলে ৰস্ত্ৰ দিয়া রাজাংকাভ্ছাকে কর . কাদা মম গৃহেতে বঞ্চিবে মহাশ্রা। 👑 রাজার পরম মর্মে শভীম দেবন। मम ভাগো আনিয়াছ कहर शीरने।। नमानी हार्ज्'त कांत्र तीका खाकि कर। : আয়ার নিরম এক জাছে মহাশর।। 🕬 यनाणि सामास्त्र कारा संस्कृत जीवन । 🕾 ভবে আমি তৰ গৃছে কৈয়িৰ জোলনা वाका बरण कर छनि बढोाती सामानही। नाथा रूपा अवमा शहित्य देशीय है।। नवानी करिएक ताकारक विकासमा **沙河海 变体 副甲 斯松寺 伽密神 位**:

# कमन क्रांतिनी।

ৰক্ষঃ চিব্ৰি মোৱে ধাৰণেতভ ক্ৰথিয়ে 🔝 পুজিব ভৌমার রক্ষে দের দিগম্ভনা 🔠 मधाभौत कथा छनि महत समक्षाता । ab. যে আজা বলিয়া রাজা করিল ছীকার ।। माधुर दरण ब्राव्हात गकरत संबीरमः 👫 जुक्य देश्या मन्नामिक्षेत्रिया स्महत्यादसता 😁 ज्ञानामि नक्न कार्यः करत् । 🗆 হেনকালে গেল যোগী রাক্ষার গোচর 🛭 🕟 পুজার সময় মোর হৈল উপ্রস্থিত। বক্ষা চিরি মোরে রাজ। দেহত শোণিত।।-আতে বাঙে নরপতি করি স্থানদনে। एक रेश्या चाहरनन यानी नजियान ॥ ভীক্ষার অন্ত্র এক জৈৱা নিজ করে 🖟 🧓 नकः विति क्षित शिक्षास सम्रामीद्याः। वीकाव महिन द्यहर्क महिन क्रम्यकां के नापुरामरम्य न दक्ष क्रद्र काल्यकातु ।। करनक निवास अभागतिक ८०७न। नमानीत विकासकार कविन समय ॥

स्त्रित लहेका ध्याति भूटक सरस्यतः। र्दल कर्च कुछतारमः ब्रोहर में भवत्र 🕫 🖰 पुत्रा ऋष्य महाभित्रे (स्मिकानस्त । प्रविश्वक बना (चंदक कालेनि होकन्य) नेतानी कहिए हाका कहर अवन । **इव ७८१ वृज्ञि कार्यम वृ**ष्ट्रि अर्थन वि ा कर्म कवित्व कृषि होदिना स्काबना । 🗁 এই বর দিব ডোমায় আছে দেখাসনা।। কন্যা পুজ-নাহি তক লাছই চিন্তিত কি बहे भुगाकरक शुक्क स्ट्रेंट्य नि कि ।। एरेटवरू छव भूछ नर्स सुनेक्षा । लेकिन मिबिएक ना शादक शुख्य छन्छ प्रशंक्त ।। 🛎 षर कार्य। नह साम गर्जनकी शक्त । 🖓 ক্রাণ পরিত্যাগ হুলে শুর্ক কর্মকান । কি করিব আমিরোপ্রাপ্রাপ্তার**িন্ন**ক। বাহা করি ভাহা ভুঞ্জিলারাণান্তকার अब बीत त्याची के देवत अवकारण (विद्यात वर्षात व्यक्तिक क्रिक्ति

#### THE PROPERTY OF

8

হাহাকার শব্দ করি উঠিল রাজ্য।
কোথা নেল যোগীনর নাহি দরশন।
মনেই ভাবনা করিছে নরপতি।
শাপ নহেল্বর যোগী দিলা ভাষা প্রতি।
কন্যা পুত্র নাহি নোর ভাটকুড়া কয়।
ভাবতে না পাব প্রত্র অদৃষ্টের কলে।
ভাবিতেই রাজা নিভালর চলে।
বস্তুলাগ ভাবি চতি চার্মুন্তা কপিনী।
বির্ভিত নবকাবা কমল ভারেণী।

व्यव द्यांशीत नात्व त मक्षात्र ।

क्षियं जिल्ही ।

শাপে বর পারে সারে করিব বিশাদ কার,

नियानात करिक अपमा

পার মির্মার ইড়া পার নব ব্রজা বছ

एकिश्वी माजिन एका ।।

जानन वृष्टांक राष्ट्र, 🙀 क्यांचा क्याहिन काए, 🕆 करिरहरू नार्भंड कक्षना नर्सत्वादक खरन वानि, गर्ड श्रल श्रासतानी, सम् मारम द्वायमात्रः महन ॥ 🕒 🦠 "अहेक्टर्ल किष्ट्रांमन, ानल श्रुप्त वाम मिन, है - बाकाब निक्छे केल रून । ं दिया वानी बद्धा पूरत, भूदत त्वर मदश्यदा, शुक्त (रुड् निमा भाउपना **बह्तर नर्सही,** शुद्ध जांगी जिल्लाहि, महिक्न देशना पित्रपत्र। क्रिशान रेपवेदानी, अन्य क्रिश्चानी, हरव शूख मर्ख खगायतः॥ वत्र शुक्रांत शुक्रां गदब, क्लंद्रि शक्रांक्रण निरम् शाक् मिटन कड़िद्द चन्नेत । **अंग्रिटन गूळ केंद्ररम्यः ११ पश्चिम भूतिदन वरम**, नम् मारमः ब्राह्माने महस् । अमिरमक देवतवाची, वक्र काछ देश्या जानी,

हित्ति सामन् जानादत ।

िएस होती नितस्त्र 💮 🔆 १ स्व अन्य महत्र्यन, 💖 शकुनछी हर्ग सब्दर्भ। ভূতীয় দিনের 'পরে, 'শিব পুষ্ণা লয়ে করে, গস্তিল করিল ভক্ষা ... निर्निर्याक्त शिंक महन, । दिशांत्रिम क्रिकटम, दृष्टि मह (यमन-महन्त्रा) 🐇 🔞 गार्जत देशन मकान, भेगाद जादन कमर कात, কানাকানি করিতে লাগিল। পঞ্চাস উপস্থিত, নুপ দিল পঞ্চামূল, ् नगरद्राञ्च महा दक्तांवाहल ॥ এইবাপে সপ্ত-মান, আগত অইম মান, वाक्षा ভादन चिक्छे मद्रन। वस रक्षार्ग लास, जुल्कि सामना दाने, विद्धानाम रनम् अन्यन्त ।। 🐧 📑 🤻 प्रशांत करे वटन, े इश्वीकात अवस्टात, কুপা কর শিকালীমন্তিনী। ১৯০০ জন্ম

ीन गारम कुला कड़ि, वान कड़ त्यां भक्ती,

**पारवः** विकासम्बद्धाः स्थानि ।।

# े जाने ताजात मुद्रा है

असी यान ना क देशन दर्शि नाइनिहि। পারে (মার লয়ে রাজা কররে যুক্তি।। रश्चीतक नैशिक्षा हाखा कविया वरून। রম মত কর মন্ত্রী প্রকার পালন।। कानाव भागत महत्व त्य कदण आहत्। ছিত্তণ করিবে ভার কহিন্দু ভোমার।। ভ্রম্বের দমন করে। সাধুর পুজন। रमव विक दिश्या ना कब्रिय कमाठम ।। রাণীর গতেতে যদিশুতা জনমন্ত্রী 🖖 ছাদশ ব্ৎসরে রাজা করিবৈ ভার্থার।। এই সংক্রান্ত্রান্ত্রতঃ স্থীকারন 🦈 🛴 भेजार कति मेडी करते अझीकाता। যে যেমত যোগ্য যাকি সভাতে শাহিল 😥 '(छम्डिक्टर्क्स्डलाक्) व्हारते निह्याचित् ॥ সম্ভেশ্যে শান্তন্য করিরা নরপতি ! **जब्द्याहरू क्रान्तिक शक्ति** ।

### कर्म कार्तिनी ।

जूलनी मक्टरब मीटा कहिल जानमा ভাহে বদি নরপক্তি চিক্তে নারারণা। 🦠 মুরা কর দিননাথ অগতির গতি। অধন তরাতে নাম ধর লক্ষ্মীণতি ।। कृशामत कृशःनिधि (कणद कश्माद्वि। প্রোণ ব'হিরার যেন তব্ধনাম স্মরি। ভিজগণে দান ভূপ দের অপ্রমিত। रवर्ग याहा ठांटर छाटड रमज मरनानिस् ॥ জীব বিশ্ব কাষ্ট্র কা শরীর ছাড়িল রাজা ভাবি নারারণে।।· ब्रांच्या यक श्रिकारनारू करत हाहाकात । खत्रांकक देशन ताका श्राम दाकाश्रव कः नित्व नातिन यह सूक्त यूक्त । পাত্র মিত্রগণ কান্দে হৈয়া অচেতন। ষষ্ঠঃপুরে কান্দে রাণী হারায় সহিত। শিরে করাঘাত করে ধুলায় লুপ্তিত।। 👙 काथा रातन लागनाथ भागात हाल्या। क्रमत्न त्रांशिव आन द्वामा ना देवशिया।। - ( 2 ) . 12

दश्यों यह ब्रम्भूगंग पक्छ शहेश।

हमनाई यृष्ट चारन पृष्ट शांठारेशः।।

रोभरम करिया निम ताकात मतीत।

मह्या विन नर्द छागितथी छीत।।

तागिरक महेशा वरण तकु प्रामा करि।

भक्षाचीरत पूर्शांचत माश्कार्य माति॥

मानामि छर्गंग छथा करत मर्ककरन।

सामारङ मर्द चार्रम छदन।।

दस्माम छानि वछी वास्थ। क्लिंगी।।

दित्रविष्ठ नवकारा क्रमम छातिनी।।

জ্য ক্ষলের জন্ম ও রাজ্য প্রান্তি।

জন্ত ক্রেলের জন্ম ও রাজ্য প্রান্তি।

জন্ত করে জাদ্ধ রাণী করিল সন্ধর।।

বিধিমতে প্রাদ্ধ জাদ্ধি সকলি করিল।

জিক্ষুক বহিন্তে যত দানেতে ভূমিল।।

নানা ধন বিভরণ রাজ্যপত্নী করে।

নাবা কার কেয়া ছাত্য বণিবারে লাবে।।

मन मात्र शर्क तांनी (मुचि मिक्किनन)। গঠিল স্বভিকাশার অভি বিচক্ষণ।। मग रामु मुंग निम शंख दला शर्य 🎼 <u>द्यत्र स्वर्मा जटना हास्कोत भंतीदत ॥</u> বেদনায় রাজ রাণীর চক্ষে জল পড়ে। मदम भटन प्रिटेख दांशी दनव भटक्षदेत हि দ্যা কর ত্রিপুরারি ত্রিভাপ সংহারি। ত্রসৰ বেদনা জার গহিতে না পারি।। শো নাম মনে মনে জুপিতে জপিতে। ভূমির্চ্চ হট্ল,পুত্র শিবের কুপাতে॥ ভূমিতে পড়িল পুজ খাত্রী নিল কোলে। श्रुविमात हस्य (यम डेविड क्टरन ॥ मृष्ट्री भन्न देश्य दानी भिक्त स्टला। धाओं बत्त केंग्रे तांगी मुख यह क्लारन ॥ চেত্রন পাইয়া রাণী উঠিয়া বঁদিল। शुख्यस्थ (मथि छात मर्साइःथ रगन ॥ পতি শোক পাদরিল পুজমুর দেখি। नभन वानिनी धानी नदव देश्य ऋथि।।

हैंदिय दिशास्त्र दांशी पूछ निन दकारन किक लेक हुए देनन यहम क्याला।। ব্লাকার ভনর হৈল এই কথা শুনি। दुकानां रुष्ठ होता कोटक भूतिन त्यमिनी। ্রিশার সিতা সরে এল পুজ দেখিবারে। প্রজ্ঞ দেখি স্বাকার আদন্দ অন্তরে । 'ৰিধিমতে জাতঃকৰ্ম দকলি করিল ! श्वाष्ठेटकोषः वसीशृका नव मान देश्य ।। গণক আনিয়ে সৰে করায় গ্রন।। ্রা**দপু**জের নান রাধে করিয়া মন্ত্রণা () গৈণক কহিছে গণি শুন মহাশ্র। नर्स छलका बेहे ताकात समग्रा। विष्ठे धार्त्यिक इत्व धर्मा भरम मांछ। अर्था नुवा भृथिनीत हेर्देदक श्रेष्ठि । ि जनदत्रत खर्ण भूनं इत्त भूगलन । অনুমান করি নাম রাখিল কমল ।। দিনে দিনে বাজে শিশু চন্দ্রের কির্ণী हत मोरन कम्मा दिन क्यांगा बढ़ने हैं।

এইমতে কিছু দিন গভ হয়ে পেল্ল भक्षम वद्मादत जात शांट रेखी निन । विमा निक्क किन्युक करिन नम्मरन । অনুদ্ধ না কর্ম শিশু পড়ে রাত্র দিনে।। নানা বিদ্যা পড়ি শিশু হইল পশ্ভিত। ' এর পড়াইতে নারে হেন গুণানিত।। ' ধমুঃবিদ্যা শিক্ষা কৈল ইত চথৎকার। नर्क निमा भिर्द्ध भिन्छ धानन्त क्रशात ॥ ্রাই মতে এগার বংশর গভ হয়। -পাত্র নির্বাগণ সংব্রু*নি*র্বাস্ত **স**দয়।। নিমন্ত্রিয়া ভারতিল মত রাজাপণ। चित्रिक काँसे छादत करिया आक्रम ।। वानाचाछ निर्माम वीव्राग देवल । মহা কোলাহল শব্দে পৃথিৱী পুরিল।। विषाण र हाना सूर्य ताका इतना ताता। नकरन बानम हिन्छ अकृत स्वाम ॥ दिम जानत्म ताका करत नत्र गणि। िरे धार्मिक हाका धर्म भूदम मुख्यि 👑

বস্থান ভারি চণ্ডী চামুখা কপিণী। বির্চিত নবকাব্য ক্যল তারিণী।।

> . श्रंथ म्खरमन उप्ताद कारादद क्यों काद्रिगीत भन्ने ।

্র বিচ নগর এক অপুর্ব সহর। ভথা থাস করে মন্ত্রেন নরবর 🔢 নিজ বাছরলে রাজা পৃথিবী শাসিল। ৰাজস্ব যক্ত যেন পাঞ্গণ কৈন্যু ভেমতি করিয়া বৃদ্ধ মত্র নরপতি। ममाभवा भृथिबोद स्टब्स्ट पूर्वा ॥ চণ্ডীকা নামেতে দেবী রাজার গৃহেতে। ভাষার কুপার রাজা জনী তিজগতে।। अभिका विशेषां ताका माहि मदश्व 🚏 খ্রঃখচিতে নরপতি থাকে মিরস্তর !৷ এক দিন নরপতি প্রতাবে উঠিয়ার,

नंत्रत दोनियी अक हलारनत नहती। প্रভাতে छेठियाँ जुटन दमिन सुमती ।। भना जीत्क पूर्णराक्टर हशानिमी। **কি বিকলে মোর পোহাল ঘামিনী।** यां छितुषा कृत्य बाक प्रित् नहता। कि चाहि चपूर्छ हैश छादि मत्तर।। নগর ভ্রমিয়া তবে নরগুতি যায়। एक कथा नुनेवत स्मिन्दाद भाव।। -ডিনি ছঃর্ব চিড়ে রাজা ভাবিছে অন্তরে। भौ दिक्षा कांक (कनु अस्ट्रिस मः माद्य ॥ ৰাত পাঁচ নৱপুৰ্তি মনেতে ভাবিয়া ( ে । বিশ্ব কৰি হ'ল। দিল গিয়া।। রাণীর দহিত রাজা একাদন করি। कि रिष्ट जागात्त कुण कर्तरमा भक्ती ॥ बना। भूव नाहि भात का छिकूण बला। इ इ अथमी आमि भूकी कर्मकरण।। की কর দরাময়ী তুর্গতি নাশিনী। च्या अश्वका माश्रा इत्य निवादिगी।।

A mill C

रूत नामिया तका देकटन (प्रकार) । कीनर्द्ध कतिहरा अका इकिन मनार्टम ।। बीवारम कविरण बच्चा विर्वेश मीमिटन। इलाइन माटम इटत तका करतिहरम 😮 असूरेमेर्टने टेक्टल तका यसूनात कटना! ্লিবাৰ্ডাপ ধরি ভারে পার করেছিলে। স্থানত্ত্ব করিলে রক্ষা ব্যব মহিবাপ্তরে। दिव्हार्थिन विध तथा कतिरन रमस्वरत् ॥ कुशास्त्री ज मारमदत एक मा नएम। ्विशेष्य श्री हो। (मना हत्र न स्मार्क्य ।। ্ৰ ভাষ্যা সহিত রাখা বহু ছতি করে ঁ সদস হইয়া দেবী বর দিল। ভারে।। ें 🐯 म दोष्टा मस्तरमन देश्ल देम्यवाणी। भूछ नाहि इत्व बाह्य इट्टेंद जिल्लामी ॥ **ভার तुर्श (१) शूर्व इहेरव रममनी**। জগতে রহিবে খ্যাত বাবত ধর্ণী।। मा ज्यापर ताका याह निषयदेत । बन्न गोर्ड नज़शकि करनेन्स प्रकटन ॥

ভারী। भइ महश्री काहिंग गृह निव ताणा करत भूनः श्रेष्ट्र मरनरक अक् निन श्रञ्ज्ञान कतिरग्न तानीत्। পড়ি সকেরস রকে পোহার যামিনী।। रिम् द्रशादन तानी देशन शतु वर्छ।। নিরস্তর পুরু রাণী দেবী ভগবতী।। ক্ষে তুই চার মাত্রত চরে বার। ু । ব্র হেরি নরপতি গ্রফ্ল সুদয়।। বিধিমতে জাতঃকর্ম দকলি করিল। रस मार्ग एकतिस्य मान बोखसहिन ॥ "বদাই অলবাঃ বিশিয়া ভূমিতলে। भा<u>षात्रक</u> शास्त्रानी मत्साय अवटन !! দশ মাস দশ দিন গুভদিন এল। श्रमव त्वपनाम बागी अस्ट्रित शहेल ॥ ফুকারে কান্দিতে গারে চক্ষে ধলপছে। **ष्टिकांप्र भावनाच्य मदम मदन व्यद**्ध ॥ তারাপদ সনে মনে করিতে অরণ। अन्त रहेन द्वांगी कन्ता यूनक्षण ॥

विभाव हुन्छ 'स्वन इरवट्ड छेनव ।। का पक्ती लहेगी बाजाग कान धनी। क्ष्मताहत्रन कटत रमत छलुधुनि।। ক্রির হয়ে রাণী ভুতলে লোটায়।। बिंद्रिकियां ग्रूथ मानी भव इः ४ यात्र । अक्रिकिकेट्स वांशे कना क्लांटल निल। वितर हुए जात वमद्यद्ध मिन ॥ क्रमेश हरेट जाका खनिया खन्दन। क्षेत्रिक इरम्र हटल कन्। मत्रभटन ॥ क्षित्रा कमात्र सूथ कार्नाम क ताही केर्दिक छ्डीका स्माद्य श्राह अगम ॥ শিশুকে বন্দির। চণ্ডী চরণ ছথানি। বিরচিত নবকারা কমল তারিণী।।

#### THEOLOGIC

## भन्न वामाकीण इत्म श्रुद्धिनीत स्थिपः। भारतपना ।

#### ত্রিপদী।

হর্মিত হয়ে রার, বাটার বাহিছে আরু
নানাধন করে বিভরণ।
বা ভূমি রক্তুশকাঞ্চন, ছিজে দের অগণন,
সাধ্য কার কে করে বর্ণন।
বৈল হর্মিডাদি যত, মিফী জন্ন কত শাল,
প্রতির্ক্তিশ রাজা দিল।
নাচে প্রেই নৃতাকেতি, বাদ্য বাজে নগরেছে,
নরপ্তি আনন্দে ভাসিল।।
ভাতঃকর্ম আদি যত, পুর্বাপের নিম্নানিত্র
যতীপুজা কৈলা সমাপন।
হয় মানে নরপ্তি, হইরা প্রেক্ত্র মাজি

অন্ন দিলা করিয়া যতন ।। ৰত জাতিবৰ্গ মেলি, সবে চয়ে কুভুগনী প্রোমাদশে ভোজন করিল।

#### Salas Alleria

बाउ। धूटन निर्देश प्रिलाहेन येनि विश्वि नाम जाहे जाति भी दायिल ॥ वांत्र वांनर्फे भटनः वार्ष्य कन्। फिर्न फिरन, মানা কথা শিখিয়া বেডায়। ब्रॅन्डिम शङ देश्य, अक्षम तद्मत श्राम, ैनेथी नट्य मन्ड (बलाइ ॥ (शत रंखे नहीं भित्न, नवादा छात्रिनी वतन, खन नदी नकः नदत करे। ৰাজ সৰে খেলা ভাজি, চলগো চণ্ডীকা পুলি, कर (थला (थलिएप-स्टा<u>म</u>रे।। ৰ চণ্ডী নিরন্তর, সবে মারি 🕻ব বরঃ इद्द शिक्त भरनत भरन। हे युक्ति मात्र बलि, सर्व रहतं कुछुश्ली, ्भक्रवर्ष ठिम्ल एस्न ॥ भौनेन रुरा अखदत, होल गुष्भ छूनिवादत, शुल्यामादम भगम करिन । क्षेत्रभागाकाणि, महिका मान्धी गार्थी, क्रिकेट कुरले विज्ञारण ॥

जुनिया पूष्प नामहत् हटन द्वान क्रींडगोर्ड ंक्साकान एरत श्रद्धावरित्र। वज् स्प्रांतक दान, (मरी एथा मुर्जिमान, ল্লবে গেল মন্দির ভিতর।। कदा बाह्बीत कन, नम्पन विक्षममः भरत क्रुड़ कड़ेरन कर्ला। श्रुका नांब देशल भन्न, याक्शटक मार्टन यन, · स्वर् पांच मर्या सूतका।। ्ट्रम्मर्क कमान्यः, शूर्क इक्षीका हत्रमः, (कुर्न पूनः ना भारेत। ब्राभवांना मितविष, शुरुष स्वी रेशमद्बी, बांनाकोड़ा गकलि हाड़िला।। श्रुत क्या अकाशति, श्रुष्य स्वती मरस्यती, मित्र तानी कहिएह कन्मीरत । खरोहेन मनीयुर, किन वाका दिन पूर्व, হেন খেলা কে শিখালে ভোরে।। भार पठ क्यानन, शुक्रा कति पक निन, मरुरनरक नित्रक हरेग

कृति कांड गाहि रूड, नजा कति दशादि कड, े नम् हे (य स्मिथि मा ठक्षणता। खुबिन्ना माद्यतं वांगी, मृष्टश्रदतं कटह बनी, ूर्वेट्टा भाषा कति निद्यम्म। প্তি হেডু আরাধন্য, পুলি মাতা ত্রিনয়ন, ं विका নিডা করিব পুজন।। জাপনি পিতাকে বুলি, দেহ এক গৃহ ভুলি, চণ্ডীকার বাটার মধোতে। ्सरमानीच हानी नरह, ृशक्षित ह्लोका जिरहरू ें कि जात ना भारत धारिक ॥ अश् यमि ना कदिद्व, निक्वम्र जानित्व एद्व, ः ছাতিলাম জীবনের জাল। मजुरा शहल श्राट्या, कीव्रानटक सान पित, খনলেতে করিব প্রবেশ।। अभिन्ना कमात कथी, तानी स्टन द्लारत न्याब!, किन वाहा मिर्छ त विहरत ।

शर्द निव अग्रेनिका, श्रृंका कर मा हकी का, अक वृति कना। निर्म क्लारन ॥

## स्वमं काहिंगी।

গইরা নিজ জঞ্জ, মুখদনী রহাইল,
ঘন চুখিল বদন।
সিন্তীয় সামিশ্র আনি, কনাবে দিলেক রাণীন
জতনেতে করার ভোজন।।
বস্তবাস এই বলে, চঞ্জীকার পদতলে,
গাংশক্ষা তর পো কননা।
গানজনার অভিনাম, পূর্ণ কর মন আশা,
ভাষ্টো দিও চরণ করণী।।

स्व क'हिनीत पूर् पटन ।

निर्मिरगार्श बाजिशको किह्न बाकारत । एव कमा कक्षीकांत्र भूटक निवस्तरत ॥ मा करत जाहात कमा मा करत मत्रमे । मनक भूकरत कमा कक्षीका हत्रग ॥ जामारत कहिल कमा जाम विश्टम्ह । स्थामककी हा मांडा जारह रा भूरहरू ॥

ঐ পুরীর মধ্যে এক গৃহ দেহ করি। नंबी मटक गरत कामि श्रुवित भक्तील इश् यमि ना कतित्व निम्नत्र मानित्व। ज्ञवना ज्ञाब्दव श्रांग कना माहि शर्द । वक लाकारशत कन्म फिशारहर विधि। खादा कादाधान त्यादा मिणाहेण मिथि।। दश्वीत् वाकीतः सत्या आदए तमान्द्राम । ভারিণীর তুহ কথা করহ নির্দ্ধাণ।। कि की का निशास्त्र कना। मनत्र हरेंगा भूजित्य हजीका याचा श्रित्रमधी रेनत्र।। ं बहेब्द्राथ छूडे बादन करशां गक्यदम । শানন্দে শৰ্মনী সুখে পোহায় ছফনে।। প্রভাতেতে সিংহাদনে বসি নরবর। अठिएक डादिशी गृह स्हेन छ्र भद्र ॥ निया अक गृह ताका नित क्वाडेबा। क्रांटर वनि भूटक क्या। मट्टलात क्रांता।। श्रित्रम्थी जातिगीत गांक्षता जाक्ति। तिहै प्रतिमस्या अहा नकरण शहिन।

बाद्धर इंडिन चाक्क कल नाहीश्रा । পুরুষ বাইতে তথা হইল বারণ।। ক্ষেমতে ভাগল বৎসর গত হল। व्यन्द्विष्ठ अद्विशीत शोवन कमन।। পিন্ত তেড়ু নরপতি চিন্তিত হ্রম্ম। শোগাপাত্র স্থানে> খুলিয়া বেজার ( श्रक मिन कमानादा श्रद्धान वासन। क्रश्रिष्ट (डामात रिच) किर बाहायन ॥ শাৰু ঋনেৰৰ করি তাহার কারনে। रेका क्टब कर बाह्य किया एश घटन ॥ ভারিণী কহিছে পিতা বলি গো ভোমার। गांवर हाड़ीका वत मा तमम कामांत्र ॥ ভদৰ্ধি বিভা আমি কছু নাহি কার। मिथ पिथि नशामशी कि रूति महाती।। Pইতো প্ৰতিকা পিতা করেছি এবন : মন্ত্রে সাধন কিয়া শরীর পতন।। " ए। एकि नद्र लेखि निश्मीत्व दिश्म । আলরে রার ছরিতে আইল It:

**ંગ્રે**ફે

কাদে ভাবি চিণ্ডীকার চরণ ছুখানি। বিষ্ঠিচিত নৰ কাব্য কমল তাঙ্গিনী।

- ' অথ ক্মলের দুগ্যা হাত্র

হেথার করেন রাজা কমল নূপতি। বড়ই থার্মিক রাজা ধর্মপ্রে মড়ি।। এক দিন কহে রাজা যত সভাজ্বে । क्ला मद्द याई एल मृज्या कांत्रत् ।। রাজার পাইয়া আজ্ঞা যত দৈনাগণ। সকলেতে আনন্দিতে করিল সাজন।। কেহ ছামে কেহ গজে কেহু রখানাচ়ে ব নানা অস্ত্র ভোলে কেই রখের উপরে ॥ রাজার আছয়ে এক অর্থ মলোহর। बेहाँदर नम अर लंद्रम सुमात्र ।। পক্ষিয়াল নাম তার ভুবনে বিদিষ্ঠ। इम कित्न यात्र (याका इमादमते श्रथ !! লেই বাজী পূর্ফে রাজা করি আর্নেছণ। চলিলেক নরপতি সূর্যা কারণাঞ্

বৈন্যে সাঞ্জিয়া চলে কমল নূপীত। 🚜 ডিশার দূর বদে করিলেঞ্চ গতি।। भड़े वन मरश कक खाइए निरा कृति है। अधिन जान्हरी भूती अभुक्ष मिर्मान ॥ ों तरत क्षांनीत उध कार क्षक्रत । পরী বেথি সভাকারে লাগে চন্দ্রনা। ক্রমের গেল সবে পুরীর ভিতর : না দেখি মহুষা মনে চিষ্কিত অন্তর।। (मई भूती मर्द्या मृद्य त्रद्ध स्थादन कृति । इक देवना (वह काटन केंद्र श्रीमहान।। খাদ্য দ্ৰব্য সকলেতে যাহা লহেছিল। ুসই স্থানে বসি সবে ভোজন করিল।। াক্ষনের পুরী সেই থাকয়ে রাক্ষ্যে। प्राहेल ताक मन्। (त्या कदर नर्ग ॥ विश्वित मनुषानन भूतीत मधारक। শিংহনাদ করি ভারা ধাইল মরিতে।। ाक्ष्म प्रिया ताला मान लाइ जदा त्व अहेरादि हुका कर महासह।।

सब रेमना ज्लाफित भनाई सा (भना। একেশ্র নরপতি তথায় রহিল। সাক্ষার বাবের শিক্ষা বড় চমৎকার। नकान श्वृहिश्रः त्राक्षा यूष्टिलक भत् ।। বাণে বাণে জ্ঞ্জনি করিল স্বাকারে। करमञ्ज इक्तिन्द्र भाषा । कक्रो ब्राक्तम हिल दरल दलदान। वुक्तिशरंड (भ डाक्सन देश्य फाखडान ।। উপাণিয়া রক্ষ এক মারে ভূপতিরে ৷ ৰুক্ষাহাতে পড়ে রায় অত্থের উপরে।। वाकारत तहेया अन्य भनाहिया गांत |-পশ্চাৎ রাক্ষ্সরণ মারিবারে ধার।। দেশহ চন্ডীর খেলা কে বুঝিতে পারে। छेपनी छ देश्य कुष खादिक नगरत ॥ केटन कार्य ह शिकात हुत्रग हुआनि। বিরচিত ন্যকাব্য কমল ভ্রেনী।।

কথ কমলের জাবিদ মধ্যরে প্রেরিগ ও সালি-় দীর সহিত সাক্ষাৎ।

বাজা পৃষ্টে মরপতি পাইল (চছন। नी स्टब हाकन पूत्री नाहि देगरांगण। नगत प्रांचेशां तात्र नाविटन गातिन । रकाथा **आहेगान भाषि रेमना** स्टाया क्रिलंग शिक्पुही एर्धि हार देश्त जातांक है। ष्टिश्वेद्धाः (१तीव्र शूर्वे, १७८५ कोहाम्छ।: িবাচত চচিত পুরী আতি ভরম্বর। की श्रीन्यम नि**रक (मृद्य मृद्या**वदा) দ্বস মূলেতে রা**র অদ্যেরে বান্ধিল।** আয় হয়ে নরপতি ভলেতে ব্রিল । রংক্ষরে মুদ্ধে রায় হয়েছে ছুর্মান। महत्रविद्य (बल ब्राव्य) थाहेवाद्य कल ॥ বলোবর পশ্চিমেতে পুষ্পের উদান। ाड़। नाटम मानिनीत छथा वामस्थान ॥ শ.পান করি রায় কুলেতে আইল। व्य क्लांत्र तांत्र वेशिता त्रेट्ल ॥

ক্লেকালে আলিনী আইল ভথাকারে। কলিনী কক্ষেতে করি জল আনিবারে॥ ' রাজার নন্দনে দেখি কদম্বের মূলে। কলনী কুক্তেতে বুড়ী এল তার তলে।; अया क्या मालिनीत (तरह हिनकात। नुष्तकारण दूनी एउँ करत शिक्ताण ॥ জিজাসিল কেবা ভুমি এলে কোথাকারে। কিসের কারণে এলে এই সরোকরে।। শ্রন্থান করি হবে রাজার নদান। কিবা নাম ধর ভূমি কোথা নিকেজন ॥ कगल कश्रिष्ट चामि त्राष्ट्रात नम्बन्। জয়ন্তি মগরেতে খামার নিকেতন।। জ্যুৎবেন নামে রাজা আছিল তথায় i ক্ষল আমার নাম, ভাঁছার তন্ত্র।। नाकिश भारेक जानि लटा देननात्रग । ছুর বনে গিয়াছিলাম মৃগরা কারণ্।। ताकारनत ज्ञान युद्ध वरमाल इहेक्या রাক্ষরের বৃক্ষাঘাতে শরীর ভেদিল্যা

মুদ্ধিত হইরা পরি ক্ষরের উপরে। অশ্ব আনিয়াছে মেরি এইত নগরে।। কাহার রা**লহ এ**ই রাজা ব' কেমন। পুত্র কনা। ভূপতির আছে কয় জন।: কা পাটরাণী রাজার কেবা সোহাগিনী। तता करत कर (मांच एवं सूर्य खनि।। बालभूत थाक पूर्वि मालक निवासी। মাতু সহোধন তুলা হলে কৃষি মাসী।। ক্রনের বাকো ভারা হৈল আনন্দিত। 'ষ্ক্রাপুর প্ররে শেষা কহিছে প্রতি।। ठव वारका सभाराम इहेरा अधरह । कामारत विनाल गामी यनि प्रता करत ।। মন গুছে বঞ্চ বাপু আজিকার রাভি। এখানে দেখিলে প্রাণ বধিবে ভূপতি ।। পুরুষ আসিতে নারে এই সরোবরে। ভূমি ধেখা এলে বাছা কেমন প্রকারে।। **बहै भूती मर्था वाहा जाकवाना आहर**। कर मा चानिएक नाएत कह भूती भारक।। 🍑 🕟 शब्होर (म. मर कथा कहिन व्हामादन ! भागात घटन्डच हल नाडीखन संदर्भा नात्री वहे पुरुष चानिए माद्र (१४)। शुक्रम (पश्चितन त्राप्त काटने खात्र मांथा।। मातीत्रात्म (अस ताम्र माजिनीत मानः) काष्ट्रतः स्कारम वास्य शुल्यात छेनाएन ।; সারী কলে নরপাত রহিল তথায়। विभिर्गारा छुडेखरम श्रतिहत एत । ব্লাহ বলে কৃষ্ মাদী জিঞানি ভোষারে। ताबात वृष्टाच मानी कहित्व स्नामादत ॥ वालिनो कहिए। बांधु का बाधानन . বছই ধার্মিক রাজা বাদব সমান।। শতিকে করেন রাজা নত্র নরপঞ্জি। ধর্মদীল সরাবন্ধ বুদ্ধে বৃহস্পতি।। . कृत्रा পুদ্র নাছি ছিল এক পাটরাণী। कार्यक वरद्रम जानी वर्ष्ट्र माश्रीमिनी 🖠 🎮 নিতা নিতা চণ্ডীকান্ন পুরের নিরস্থর।

मन्त्र इहेश (मदी मित्राध्यन वत्रा।

परी बढत कक करा। इटस्टब द्रांबाहर । কে মৃত্**ধ বাপ গুণ কত** কৰ তাই || ,१क्षण वदमंत्रांवर्षि शृदछ काला (भी। দেবীর বার্টির মধ্যে আছে সেই ধনী ব विव नाहि बटा क्ना ८ धम (योवसी। काता कांत्राव्यम सम्ब १८८४८६ छात्वियो ।। करम सन्तरी माती मा देशीय स्ट्लाइट । নেই ৰূপ বৰ্ণিধারে হার দাধা পারে।। চত্তীকা খানির মধ্যে ভারিবলৈ পুরী। শ্বীগণ আছে গৰে হইয়া এখ্রী 🖟 ध्य मानी भक्षकरः नम्। शास्त्र कार्रह । নিষ্ট না েখি নারী ক্ষিতিতল মাঞ্চো। নিৰ্মেটনেতে বুলি নিজি গঠেছে তাহায়। এ'রেক হেরিলে ভারে ভোলা নাহি যার 🛭 बिटाइ (यानाई माला भूकात कार्य। ाका चारह (यरछ छाई गाई वाहायन।) क्षि वर्षिव बाश अन पिदा मन। हरान बटा छावि हलीका हबने ॥

#### क्य मानिनी कर्ड क कांद्रिमीत क्रभ वर्गमा।

### লমু-অিপ্দী।

ভবে ভারা কর, স্তান পরিচয়, ्रम ज्ञान वर्निएक गर्ने व (पश्चि चान वर्ष, नाम (भरद्र यूर्व, ' অঞ্লে বুছিল মার ॥ বিস্তাৎ বর্ণী, দিনম্বি থিলি, (एन मरन काम क्या वनन कप्रत, शिन भारति, श्राप्त किंड इरस ब्रम् !! कुतक मग्रमी, त्य विभू वस्ती, ভাগ মুরি কিবা কেশ। খানুভৰ হয়, মেঘ চাপা বয়, লাকেতে পলারখন্দার ।। যিনি তিলফুল, নানিকু সঞ্জ, অপর্প শোভা তার।

হাব্যারি প্রভার, চপ্রা বেলার, सूधा विविधन स्वात ॥ শুনি ভার বাণী, সনে অমুখানি, **लिक्**रत मत्नाकृत्य। लनाहेश महा, एथा नाई हत, दुरण नरम खरमासूरच ।। " किना भटात्रमाई । आंट महन्द्र, ंगिडिसिनी अहि सबी। পদ : .থাপ্তে, ভারা শোভ করে, হেন মনে অকুমানি।। **(पश्चित्रः शमन, ३५८मत् (त्रामन,** अधिमानि शिन करने।। রবি মহ'শ্যু, করে প্রকাশ্যু, নিশাপতি আছে ভালে।। কটিদেশ দেখি, পশুরাজ তুখি, शनाहेशा (शन वस्त । पिश्रित (म र्राम, खेथनात्र काम, श्रम कि वं तह लाता।

**দে বা**ণ ভূলনা, কি দিবে ভূলনা, सङ्ख्या (भई धनौ त्म सव (धीनमी, देखलाका (भा<sup>5</sup>वरी, दर्शिष्ट (माहिल आति।। (रित्रिया (न ठीम, नाख भारत काम, ं कुलधनुः काल प्रिया। प्रिटिश सङ्घा, यात्र भनावेटल, महत्त भरून सांख (शहरा ॥ ट्यांड्रिक कोशा, क्लिंग नाहि याह. (म जान नावना (महन् । किया (स यहस, किविटन धारन, 🕙 পান কবি স্থা রেখে।। সে বাপ বর্ণিড়ে, নারি কদাচিতে, कि वर्णिव क्रिया कानि। वस्तान करा, स्मर भगाव्यत, मिनशैदम शा खेवांनी ॥

# অর্থ মানিনীর সহিত রংকার বৃত্তি।

মালিনীর মুখেণ্ডানি বংশের কখন। মিনতি করিয়া করে র'জার নালন । কং মানী কোপা আনে সেই সমবতী। कामा भूनं श्रा रमचे हिटल भार सिंग। . মালিনী কচিছে বাঞ্চারহ প্রাণ। বাল্যাবধি পুজে ধন্যা চঞ্জীকা চরুণ দ শেই পুরীমধ্যে আছে তারিণীর পুরী। क्ष्डोदः भूनश क्या मदक्ष भरहते ॥ शीम १६७ मध्योगस्य क्षायात्र आयोगस्य । দাদীগণ ড'রিলিকে ঘেতে আন্দে পান্দে ও পেট কালে দেখাইতে পারি বাছাধন। नात्रिटरान सम भूटन करन् दक्षम ।। ष्यस्थात शाद्यात्व त्वर (मरण ष्याभनात । '' বাধনাতে কার্য্য নিডি কহিলাম নামু 👭 ुत्रम यमानि छून (मर्च-मरवावरत । বীবৰে তোমারে রাজা ব্যি**বে আমারে** ।

कमल करिएक भागी अहे वृक्ति मात ।-্বিপ্রদত্তে মহামান্ন করিবেন পার !! पर्वेकाल छुड़े करन नाना कथा करा। निभि পোহাইन हैश्व चार्षिटा छेपस् ॥ প্রভাতে উঠিয়া রাজ্য ভাবে মনেমন। প্রিমুর্থ মন্ত্রী রাজার ছিল বেই জন।। মিজ বিবরণ রাজ। লিখিল তাছারে। পত্র লিখি থানি দিল অখ ভালোপরে।। অধেরে কহিল রায় দেশে যাহ ভূমি। कार्या निश्चिता श्हेरत माहि यात जानि।। রাজা ন্যকারি অস্ব চলিল তথ্ন 👢 🕒 महादिद्रा कास्त्र कृतिन शमन ॥ **এথানে ভারা**র গুছে রহে নৃপবর। ক্লাজিলেক নারীজ্বপু (দখিতে স্থাদর।। নারীবেশে নরপতি রহিল তথায়। ব্যস্থী নগরে ভবে উত্তরিল হয়।। সকলেতে খেদানিত রাজার কারণু া ্হাহাকার করি কালে যত সেনাগণ্যা

#### क मन्त्रका द्राप्त न । प्राप्त

াক্তবের বুদ্ধে প্রাণ হারায় ভূপতি। हि कथा मर्ज्ञहान कतर्य रभगाणि।। 'ব্দ্যঃপুরে কাম্দেরাণী শোকে অচেভন। কেশ পোল ওরে বাহা মুগন্না কারণ ।। শিং বরে পেয়েছিছু ডোমা ছেন নিধি। দিয়ে পুত্র হরে নিধা নিদারুণ নিধি।। . শতি শোক পাদরি 🖟 হৈ।মারে দেখিয়া। कुमि (कृष्ण श्राटन वाद्या वाँकि कि नार्षिया। पानदा शांभव किया वाश नित्र करा। भौ दिक्छ। इडेनाम भूदी कर्माकरन ॥ भूगाम लुष्ठिए बागी भागतिमी आह ! পাত্র মিএগণ আদি রাণীরে বুঝার।। না কাক্ষর রাণী স্থির কর মন। দুত পাঠাইলু নোরা জানিজে কারণ।। অস্ত্র শিক্ষা ভাবে রাজা বুদ্ধে ধৃহস্পতি। রাক্ষনের যুদ্ধে রাজা পাবে অব্যাহতি <u>॥</u> . इनकारल छेननी ७ इटेरलक इय । ्रवित्रा नदात देश्य दिन्यग्न कृष्य ॥

व्यथ्डाटन वांका व्याटक त्मर्थरम निर्धन। যাৰেতে লিখিল প্ৰ নিল সেই জন। পত্রপাঠে মন্ত্রীবর স্থির করে মন। প্রবেধিয়া সকলেরে কহিল ভখন।। পত্র লয়ে মস্ত্রীবর গেল অন্তঃপুরে। বিশেষিয়া সম কথা কছিল রাণীরে ।৷ রাক্ষণের যুদ্ধেরায় গেহেছে নিফুজি। দ্রাবিড় নগরে জাসি হয়েছে তুপজি 🖰 आमाद्र लिथिल हासा नद विवेश । এই দেখ ভাগতির হত্তের লিখন।। হেখায় আসিবে রাজা কিছুদিন পরে।-वाख्य मा कतिह कथा या वित्र कारत !; कहिटलक मञ्जी याप जन विनवना শুনিয়া প্রকৃত্ত ভাগী হইল তথম।। आई यह पूर्ववाशी मास्त्रमा इहेला। नहाजानी मंत्र्या देख्या छिठिया विनिन्।। বস্থাৰ ভাবি চণ্ডী চায়ুগু। কলিণী। ৰিয়চিত নকৰাৰা ক্ষল ভাঙ্গিণী 📗

#### জ্ব কমলের ভূত মালাজে ভারিণীর চঞ্চীকা পুঞা

হেথায় ভারার পুহে ব**ং**শ সরপতি। বন ঝী বলিষা তারা কারল খেংগতি 🛚 নিতঃ তারিণীরে মালা মালিনী যোগায় ৷ वक किम मानिनीरत करिएएए ताता। আজি মাধী মালা ভামি গাঁথিব মূলনে। व माना भारति कमा १६ रत मान ॥ এত বলি পুষ্পা রায় ভূলিয়; ভানিল। বিনা হতে হার এক যতনে গাঁথিল। কি দিব হারের তুল্য মনোহর শোভা। হেরিলে মেছিত মন মুনি মনোলোভা।। মালিনীর হত্তে মাল। দিলেক রাজন। मिथिया दिन्यस देख्य मालिकीत मन।। भुष्णजानः नाबाहिया माना देनहा जाय। ভারিণীর বাটি ভার। ফুল দিতে যায়।। শ্বী শঙ্গে আছে রামা আপন আগারে। ধিরে২ গেল ভারা পুষ্পভালা করে।।

নালিনী দেখিয়া কহে রাজার দক্ষিনী 🛭 ক্ষাজি কেন বেলা আই কং দেখি শুনি।। क्टबर्ड नयम् भाव (मनोव श्वास्त) भूष्य मा आहेल कम जानिटेजिह मदम ।। मालिनी कार एक अन हाकांत न निनी। भूक्ष ड्लिक्द्रियाम हिक्प शैर्धिन ॥ मत्मानीटक माथा भौषि पितम तक्मी। এই মাল। বহু ধরু পুজ কান্ড্যায়ণী।। ভারিণীর হজে মালা (বলেক মাণিনী)। भाषा (पथि भवित्राम दोकाट भन्मिमी ॥ ক্ছ আই এই মালা কেবা গাঁথিবাছেৰ শভাকরি ভূমি আই বল মোর কাছে।। ভোমার গাঁথনি মালা নহে কলাচন। সাল: দেখি প্রকুলিভ হৈত মম সন।। मानिनो कहिए छन वनि भावहम। वनकी लाभाव कक करमरह लानत।। **দেই** মালা গাঁথিকেক ভাৰম্বা যতন। व्यानिनाम माना कामि एकामात कांत्रन।।

ারিণী কহিছে আই জিজাসি ভোষারে। কাগ্য তার নিকেঁতদ থাকে কো**ধাকা**রে ॥ 🖟 মালিনী চভুর বড় করে চলুরালি। ভনবো মাতিনী ভার পরিচর বলি। ্করন্তী নগরে রাজা জর্থদেন নাম ! ভার পূজ কমল জানতে ভণবাম ।, ৰ্তার গৃহে নিয়োজিক ছিল দাদীপণে। विवाली कडेबा नामा अत्याह अवारन ॥ ব'ল্যক'লে নিত্ত্ত্তি করেছি পালন : विश्टिष्ट अस्तरह स्मारत छाश्त कात्रण ॥ वक्ष नाहि कदत केना। मदन कि एडदबढ़ । थोवन कमल बहुद खोकान इटहट्ड ॥ গারিণী কহিছে আই বলিগে। ভোমারে। কিবার দেখাহতে পার যদি তারে॥ क्टारव वृद्धि मांगाकर्मा छान **मा**रत। ই' করি রাখি ভারে মম নিকে**ডনে**॥ <sup>নুদা</sup>ৰী করি ভারে হাখিব যভৰে। िटमिश्र वह मम कीफ देशन मंदन ॥ .

কল্য ভারে আন হেখা করিব দর্শন। अक विल मांनिनीत्त्र शाक्षेत्र उथन ।। ज्ञाणात मुस्मिनी ७८४ (भड़े भाग। लस्त । চণ্ডীকা প্রজিতে যার আমন্দিতা হয়ে।। व्यव काइतीत जल नान. उपहादत । বেদ বিধিমতে রামা প্রাঞ্চ চন্ডীকারে ॥ म्याद्य मांचरत्र मानः मङ् नंद्राख्टनः কমলের গাঁথা মালা দিল পদতলে । পূজা দাঙ্গ করি রাম: করয়ে স্তব্ম : मझामश्री कत नामीत छुडच सिवादस म छूर्गां मामिनी छूर्गा (वरम वरण खर्म। बत्रमाको बद्धः (मर्दी आमि अर्थातनी ॥ পিত। মাতা ছাড়ি শীবে আছি মা হেথার।। সর্ব সূব ছাডি নিলাম চরণ আগ্রয়। खक्तमशी युष्टा मा मतनत ५५ हन। মনোমত দেহ পতি সর্ব সুক্রণ।। र्विमर**७ ताल्याम वस् खुक्रिक्रतः।** शका माझ कृति श्रम जाश्रम मैसिएत ॥

জ গৃংহ জ্ঞান্ত হয়ে বসিল তথন। চরিগণ করে চামর বাজন।। मः खरा चानि। मिल क्रिन कचन। 'কপুর ভাষুলে কৈল মুখের সোধন।। ছেথার কমল আছে পথ নিরক্ষিয়া। মালিনীরে মালা দিয়া ভাবিছে বদিয়া।। উত্মপ্ত হুইয়া রায় ভাগিতেছে বলে। (श्नकारल भानिनी काहिल (श्रम ।। নিকটেতে গিয়া তারা হৈ । উপনীত : মাজিনীয়ে নেখে রায় হৈল হয় দিত।। रहे साथी कि कृष्टिन ताजात मिननी। यान। दर्शवं अवान्त्रिक देशन भारह वनी । कांहे मानी छाति मत्म विभवा अथन। मका करत कर मानी खान विदर्ग।। **बर मानी ताकक**ना। दल कि वतिल। , " কংহ শুনি সুখবরের মিথাঙি ভাল।। ,, ভাব মন তারাপদ দিন গেল বছে। क्तिना समन बाटक् सिन्नदत्र दिनदत्र ॥

## জ্ব মালিনীর সহিত কথা ও উধা ইরণ উপাখ্যান।

मानिनी कहिए वां पु छन विनहतं। মালা দেখি ও ফুল্লিড ভাবিশীর শ্বন।। আমারেকহিল কন্যা অপেয় প্রকারে। কে মালা পাথিল আই দেখাও ভাইটো 🛚 তব কুত এই মালা মহে কদাচন। প্রকাশিয়া কছ জাই শুনি বিবরণ।। **ছলেতে সকল** कथा कडिलाम श्रेर। रमकी कामात बक बामएक कानत।। পেই মালা গাভিলেক করিয়া যভন। আনিলাম মালা আমি ভোমার কার্টু।। জয়ৎদেন রাজ গৃহে দাস্যপণা করে। स्टर्ट क्रिए ६ दश्या जानवारम (भारत ॥ ৰড় সুখি হল কন্যা দেখি ভব গুণ। রাধিবারে বাঞ্চাকরে শুন বাছাধম।। 🖫 कना क्वारेव वार्यु (मार्ट प्रमान। আৰু পাছু ভাবি পাছে জানরে রাইক।। ।

जला ज्लाहेर्य ताकात नक्तरी। क्षा नाहि भट्ड, त्यन दूर्ध्वनी बालिनी।। व जुरुट अनिक्रम वान भृद्ध हिल । উধ বহ নারীজপে যেমনে বঞ্জিল।। क्रमल करिएक गार्चा कांश्टन आसादत ! উব। দং জনিক্সা ছেল কৈ প্রকারে ॥ मालिनी कशिष्ट गां भू शन निद्रा मन। बागकमा छेवाव ही जुल्ल सुरमाखन ॥ वकुणारी छून द्रामा विज्ञा नाहि करत : ধ্বত করিল বিভা কামের কুমারে।। **श्राटक ऐटि ।** डेबा भागनिनी श्राह । মণিহার৷ কণী যেন ঝাকুল হারম ৷৷ विज्ञदंशी नात्म नामी स्थाप खेषाद्य । সভা কহঠাকুৰাণী জিঞাসি তোমারে॥ अक्षार देहरत रकन उन्मानिमी शाहा যেন কত বিরোহিণী ব্যাকুল হুদর।। जिक्टि श्रित्रमधी बिकाम कि भारत। ा यथ परिवर्त्त नवी व्याव निल (क्एक ॥

च्राप्त (मधियु এक पूज्य द्रष्टन। कर्नामया एक बन मा एक्य कथन। বরমাল। দিলাম আমি ভাহার গলায়। উভয়েকে মাল্য বদল করি ছুব্দনার 🛭 বুকেই মুখেই করিত্র রমণ। कहिएछ (म मव कथा विमन्द्रम मन ।। ভাঙ্গিল নিজার ঘোর পাইতু দমিত। নাহি দেখি প্রাণপতি খু**দ্ধি** চারিভিত ।। নাথের বিরহে মম জীবন না রয়। कि मिथनाम कि देशन शिल भि किथाता कि कतिव वन मश्री छात्र कार्यो भारत প্রাণনাথ বিনে জামি জীবন ভাজিব।। জনলে পাশব কিয়া পাশব জীবনে। জীবন ত্যাজিব আমি প্রাণনাথ বিনে।। बक्यांत एक्याहेटल भात यमि लात । নিরবধি কেনা হয়ে রব তক পায়।। চিত্তরেখা বলে কি বলিলে ঠাকুরাণী। किवा क्य किवा खेर छोहादत माँ किनि ॥

লৰ করাব ভোমায় কেমন প্রকারে।• বালকের মতঃকৃষ্ চন্দ্র দেহ ধরে !! 19 স্থির হও ঠাকুরাণী করিব উপায়। " कट छमि दिव भाषी मीला डांट् नत् भ ,, সাংগাতে কাৰ্যা হৈছি সৰ্ব্য শাস্ত্রে কয়। উতলা इट्रेल (कान कर्य माहि कर्रा। खेबा करण हिळाततथा मन अङा वरहे। विष्कृत्तर कृष श्रान गृष्कि नारे घरि : ছেখা বিনে কেবা মোর আছরে সংসারে ! (रेज्यात रुग नवी कत मीश करत ॥ हिट्य कटह के दिवाणी कति निरंगमन। উপায় পাছয়ে এক করত প্রাবণ ।। বাল্যকালে এ বিদ্যা শিৰ্ণেছ ঠাকুৱাণী। আকৃতি প্রকৃতি আমি লিখিবারে জানি।। পটে চিত্র করি আমি দেখহ, স্লাপনি। যক রক্ষ দেবতা কি হয় থাবি মুনি।। क्शात मर्पाटक यनि इत्र कोन कन। (निविद्य काङ्गिक कृति किनिद्य बर्यन ॥

মিলন করাৰ তারে করিয়া উপায়। येक ब्रक्त शक्तर्य किञ्च व्यक्ति इह ॥ 🐰 এত বলি ভুলিকাঠি হল্ডেভে লইল। मान्दर्शक एक भटन क्षाम क्रिन्।। अप्टर्क मिट्ये हिट्या नव (भवत्र)। श्वांदत कक्षम कामि व जिस कृदम । প্রথমেতে লিখে চিত্রা রাম অবভার। ভরত্ শক্রঘন লিখে নব কুলা আর।। রাবণ রাজার পুরী লিখে একে:। मेंटिंग्ड निचंदत्र हिंदा ऐवा खाश दमरच !! হেনমতে লিখে চিত্রে নানা অবভার । উষা হরণেতে সব আছমে বিস্তার।। व्यवस्थित क्रयनीमा मिर्थ हिजावेडी। ্ যছবংশ কুরুকুল পাণ্ডব প্রভৃতি।। चम्छद्र नित्य हिन्दा श्रहाम् नम्मद्र । नव क्रमध्य क्रम (इन मह मेंटन ।। क्रकन्त्रभ निर्देश किया हिस्स । कः मर छेवावधी महित (महिन्त्रा)

रिष भनिकृत्स (मिथ्रेन नहरून। है देवावची हाटर दाव भारत। े शक्कि (मेरे चरश या अधिन। হৈটে পতি মোর নিক্ষর জানিল।। हत देव <del>श</del>्वभात्र देवा कविया विसन्न । ह रूशी कहे किया काश्रत छन्त्र ॥ विश्रह करवृद्धि मधी ब.भएड हेर्राहक। मनम करियः मधी वीहाउ कामारक।। ন প্রাণ গেছে মোর ইহার **সঙ্গেতে।** र एमाथे वृष्टि এत्त स्मानित्व कि नटछ।। द्वादी तरिम देशकी रुख ठाकुवानी । हता कविद्रा बद्रवेशमलाहेव स्नानि॥ करके आनि कित्व सिनाईन छात्र। । হয়ণেতে ভাহা প্ৰকাশ আহম।। रिवरम कानिकृत छेवा नह हिन। निदंव छडे बद्दार्वशंत कृतिन्।। गटक कि हो बन श्रेक हरत यात। मि शाहेल छद्द वार्य महासक्ताः

কোধানিক হরে রাজা করিল ভৎ সন। অবশেষে অনিক্লডো করিল বন্ধন।। कांग्मिट्ड नाशिन एटव काटमब्र मन्मन। রক্ষা কর পিতামহ প্রভু মারায়ণ।। শীরুক আসিয়া করে ৰন্ধন সোচন। অনিক্রতে উবা দিয়া করিল সিলন।। अन वाशु व कर्ष्यंत वह सूरशानव। অত্যে সুখ পাছে ছুঃখ নানামত হয়।। প্রথম মিলনে যেন চন্দ্র পার করে। দানা সুখ গুইজনে ভূঞে নিরন্তরে।। **ञ्**डान छेत्राञ्ज यम मर्क्तकः व तकः। 🗆 পুরাতন হলে বাপু ভত নাহি হয়। ভাবশেৰে হয়ে পড়ে লোকে জানাজানি। कहिलाम नात क्था खन याह्मति।। আপনি সুবৃদ্ধি বট রাজার নক্ষন। बहारक कर्डवा वाणू व्यवा हम मनेना करत्र ভাবিরে কালী কলুম রাশিনী। বিরচিত নবকারা কমলু আরিশী।।

## অৰ কংলের উক্তিও ড!রিশীর স্বয় শর্পন। ত্রিপদী।

সংলিনীর কথা শুনি, সূত্র স্থার করে বাণী, শুন নাধী বলি গোডোমারে। রাজাগুনী তেয়াগিলে, তহিলাস ভবালয়ে,

. ভাবিনী মিলায়ে দিবে মোরে।। এক্টার বিশ্ব ক্রম সংক্রিয়ের মাস্ট্রাক

একংশ নিষ্ঠুর কছ, নাহি তব মারামোহ, দ্যা নাই তোলার শরীরে।

কৈ ক্রোডে নারীবেশে, রাগিয়াছ তব বাংশ, আশাতে নৈরাশ কর মোরে ।।

कारत यमिला भिलादन,यहि कारत ना द्वशादन,

তবে জান পানার মরণ।

भनतारक क्षरवांभव, श्रीवरमण्ड वाल निव, विष्णुतारक छानिव भीवन।।

মালিনী কৰিছে বাছা, চিন্তা এত কর মিছা,
অক্টেণ মিলাইরা দিব ভার।

ভাগু পাছু ভাবি মনে, জানে যদি মন্ত্রেন, ভবে রাজা বধিবে তোমায়।। কমল কহিছে মাসী, আ য তাহে আছি খু<sup>নি</sup>। বধে রাজা বধিবে আমার্গে।

প্রতি জন্য দশানন, দিয়াত্র দশানন, 'প্রিবামের শরে ককাতরে।। "

এত বলি নররায়, বিরে মালিনীর পার,
দাদে মানী কর গো করণ।

ৰাৱেক মিলায়ে দেহ, মৃত দেহে প্ৰাণ দেহ, চারিধুগে রহিবে ঘোষণা।

নির্বধি কেনা চরে: রহিলাম তব পায়ে,

विवागृत्व किनित्व स्वामाद्र ।

শোধিতে নারিব ধার, চারিযুকে তব ধার, সভ্য আমি কহিন্তু ভোমারে।।

क्यत्वत कथा खरन, गानिनी अयुक्त मरन,

कमत्लद्भ बषम ठूखिल।

ভারনা কি অংছেতার,খাদি মারী আছি মার, কেন বাছা ইও রে চঞ্চল।।

ওদপণে পাভিয়া কাঁদে, ধরে দিতে পারি টান, কুলবতী বিলাইতে পারি।।, ্তুর হও বাছাধন, দেঁহে করাব নিলন,
ভবিষ্ণু থা করেন হবি ।।
নালিনীর কথা শুনি, আনন্দিক নুপমণি,
হলে ধেন পার শশধরে।
ফল্লেনে নিশি থাবে, কমল মনেতে ভাবে,
কলা পাব দেখিতে ভাহারে।।
এ চিন্তাম নরপ্রি, চিন্তার চিন্তিভ মতি,
ভদন্তরে কর্ড প্রবণ।
হেথায় ভারিনী ধনী, লইয়া নিজ স্লিনী,

निकाशास्त्र करत्वरक भड़न ॥ सर्वेष्टर्न भिक्ता यात्र, सन्त्रमात्रा सन्धक्य,

্ শুন বাছা কলি গো তোনারে: প্রতি হেছু আরখনা, কর দেবী জিল্পনা,

ं **ए**व পुष्टि अस्मरह नगरद ॥

বালিনীর বাবে জাতে। নারীবেশ ধরিয়াছে। কলা হকাঁ দোহে দরশন।

ক্ষৎবেদ রাজস্বত, বাপে গুণে গুণ্যুত, ভুমি ভাবে করিছ বরণ।। ৰত বলি মহামারা, তারিণীরে জাগাইরা,
তথা হৈতে হৈল অন্তর্থান।
চেতন পাইরা ধনী, যেন মণিহারা কণী,
শ্যাপরে বলিল তথান।।
বোবার স্থপন প্রায়, তারিণী ব্যাকুল কার,
কারে কিছু না কহে বচন।
ক্মল তারিণী লীলা, বসুদাস বিরচিল,।
ভাদে ভাবি চন্দ্রীকা চরণ।।

শ্বৰ্থ কমল ভাৱিণীৰ নৰ্গন।
ভাকিল নিজাৱ ঘোর বসিল ভাৱিণী ।
শ্বপ্প দেখি উৎকণ্ঠিভা মনেই ধনী।।
কেমনে পোহাব নিলি পাব গুণমণি।
এই চিন্তা মনে মনে করিছে ভারিণী।।
ভাবিতেই শলী শুহানেতে ধায়।
নিলি পোহাইল হৈল আদিতা উদ্মা।
বাাকুলিনী হয়ে ধনী মুখে দিল পানী।
সন্দ ভাবে কভকণে কাসিবে মালিনী।।

क्रमीनटनटत्र धनी किछुन। विल्ला। লাগরুৰে বিধুষুথী ভাবিতে লাগিল।। भाषितीद शृद्ध देशा कमन आहर। क विनी देव दम वियोद्ध हथात समस्। - 'ननीदब कदह मानी इल शा फशाब। कार्यक्ष क्रमां क्रमार्थ मा त्यस्य कार्यप्र ।। মাবিমী করিছে দাপু করত জবত।। নাগীৰেশ **মনো**নীকে কলাৰ **শা**ভন 🛭 क्ष्म भारत कारत लाहा होई कवि छत्। প্রকাশ পাইলে রাজা ধ্রিরে আমায় ।। হাপন হাজতে ভাগা সাভাষ রাজনে। लाहे। विद्या दव में उदय निर्मात या प्रदेश ।। राश्मीरफ कूठकांत श्हेन छेन्छ। খাত ভাব দেখি ছার। চইল মোদিত।। न तेन धोवनी बद्ध हुत्व धार्कित। পঞ্চে থাকে চরুলেতে এভিপতি বিনি॥ वह स्क्राकति छाता नाहारेग छात्र। थिएना भविष्ठा करत एटन दूषभाग ॥

ं ক্ষল প্ৰচাতে চলে ছগ্ৰেতে মালিনী। बाग भाष यालन ध्हेल मिनयाति।। तांष्ठित मत्थारक उदर श्रास हहे अम । स्बरीत वाणित प्राथा विकासत्रम्म ।। ं हिंचीकाम हार्यमा विनित्त उथात। मालिनी गाँछित मरश अक्ताकनी यात्र ॥ कमत्त करिएक वाश्र देवनक मांगलद्व । িক বলেন নৃপত্নতা জানিপে সমূরে। धार्खनीय द्याम काता कार्तिनी सम्दन । विमारिक तांकवाका विवाहिक भाग ।। মালিনীরে বেখি ধনীহরণিত মন। धमर भारे वटन दमाम एक्स ॥ (कामात यनकी (काथ: ज्यान (आ (इथाम)) कना कि शिर्ण (कन ना भानित्न जाता। দে ভারনা করিতেছি বসিয়ে এখন। मानी পाठाडाम चामि कांनिएड कादन ॥ আপনি আইলে আই কোথা রেখে ভারে। भेडाक्ट्र कर काहे स्मात्र मिया दुर्गांदत ॥

मा लिमी कड़िएक खन डाक्ट मानकी। (मनीत मन्त्रित छाइत बमाइत **१थ**कि । . अस्मिट्ड आमिन रहशः (क्ष्म नोटक इस्) ' श्रेचे ब्लाइक (तस्य लाटक सम्बद्धा क्या। জারিনা করিছে কাই তার কিবা ভরা भीड़की जान उसके दिलक् में मह । कृतक कानिएहा (२०११ दनिक: प्रकारत) वालिमीव हिन्ह भाषिक्षा घटन करत् । २८० मटन ए 🖓 कांत्र कत्रदह छन्छ। े माटमज एश्य छती। कह निवाहर ॥ ेश्वमी जुनि काली विश्वम बाजिली। त्त्रांशांच स्थान गांम करम खोहिनौ।। <sup>- व्रा</sup>न्थी क मीटनदव एक मा नम्स । भातिनी कातिश द्यन भूमस्यान क्या । ं<sup>5</sup>तकाटन गानिनी हड़ेल छेशनीक। नालिकी प्रविद्या जात देशन ध्वानिम्ब ॥ कड भागी कि कॉर्टिंग्ड चाशमन देवता। ें रिलिल ताक्रवाला एडा करत वन ॥

्रात्नी देवप शांत्र कम्प्लाल कर। ्विम मानी कालि गात खाउँ किया छत ।। ह्मेरिनटच अक्रांत योजारांच कति। ্রুভিত্তভা হয় ছবু মিলাইতে পারি।। क्षणिन म्छे।हेटड लाजि कटा छूता। faলোমত করে বালু যদি লাঁছি মালা :: আদিনীর কথা শুনে লাজার নক্ষর। <sub>ন</sub>জের **অঙ্গরী ভাগে**ল দিলেক তথন।। মুখাত্র পাট্ডা হারা একু'ছত: ননে । ্রুম্মলে লইয়া চলে তারিণী সদমে।। ্রেশবারে ভারাম করি চলে ছুজনায়। ্টেপনীত গুইজনে ভারিণী যথার।। दिनाद्यकात क्षण (क्षति दिनादि हमकिछ। অনক বাবেতে টোহে হটল পিডীত।। किकपुर्धि हर्ति किर्ह केर्नित् संग्रहन.। কিরাছে না পারি জাবি মোহিত চুকনে।। क्षा (भारत मनीत्थी वनन छाद्धिः। ইঙ্গিত করিয়া ভূপে বসিত্তে 🚀 हैन।।

-वैधिनाग विकादि हिटनक कामन । भाषाम नीकिंद्र जात दिन्त उपम ॥ . रिनकारन राजिन्दाक कविरक गानिसी। ू बानिशाधिकः सभी संबद्धाः कार्यनी ॥ व ब्रों में से में हैं के ब्रोहे के ब्रोहे (क्रियं) एक विकीय स्मीय संगीत हो हा त ক বলে ত দ্বিপ্ত ক্রিবে ভাষা । क्रिकाम रामस् दिश इप्लिक निरास । भीत बाक विरायन श्रीतक सूर्य रही । বেলোর গুলুকে **ভাষিণছে এ**কটকটা ।। िराक्षमध्य क्षेत्रहारक कहे मा धारिकार । पुनर्वांत श्रीर ग्रीत बार्शन गहिल् । ्रम्भी अहित्य में नदर अवस्य। मामार (महित का) शाह म भगार ।। र् १ दत कडिया मध्य विद्यापन स्थापना म्प्य करह स्वाद्य शास्त्र स्व कांकर (जूला। छिष्टान छेशात काहे एन छ हैरात। कि छातारक श्राप्त भाग विराष्ट्रम छेशा ।।

शिनिनी कहिएह ७८४ मध्त वहरत। নেভঃথ কহ বাছা তারিণী সদলে।। ীকোর নন্দন তবে মৃত্তাবে কয়। किछात्रित ध्रवना (य मिव श्रिष्ठ ॥ <sup>খি</sup>ং**ংভ** উচিত মাসী মিজাসা তোমারে। **পিয়া থেতে আছি ভা**ষি জিজাসিবে নোরে !! ष्ट्रिगा कति মোরে বুঝি না কভিলে বাণী। किया में कि देशन वृत्ति दश्य का जा कि में भ রাজবালা নাম ওনে অভিনাম আনে ! দাস্যপন্য করিব থাকিব তর প্রশেষ ममापुर्वेक्टम वृथि भन्नः नः रहेल। 📭 कदित्व जूनि यात्री वात्रना विकल्त ।। শি ছেন বয়েদে মোরে বিধাত। বিভ্রথ। कारत वा छ।नान मानी यम यनपृथ्य।। শর্মভাগী হয়ে আইনু ইহার আগে। পোড়া কপালেভে মাসী ঘোড়া নাহি লাগে।। ক্লারে কৰ এ যাতনা কে পারে যুচাতে। नरेषर्ग स्टब्स्स् लाग ना भारत महिन्छ "ः

দ্বৰে ভাৰিয়া কলা কল্পৰ নাশিনী। বিষ্ঠুত নৰকাৰ্য কমল ভাৱিণী।।

--- 3@Sm.

याचे कप्रास्त्रह करिद्धवा

[अल्डे।

नाश्वात कथा कित, मान मान क्यूमानि,

मानिनेत करित करित कारिनो।

कह काहे दन कित, काहात मानिने धनी,

किता नाम दन प्रांच किता।

कि भाषक त्य क्य, काद पूर्व प्रतिहत्य,

माहि किता के द्रांच माहिलान पाता।

कारह त्नाक के त्याप, कि मिंचान माम मोब,

क्याध किन केत्यन के करता ।

भाषित वादक, रश्य, पृहाहेव मनवाथा,

मनद्राव वादक केतात।

शाक्षित कर्म केतात, मनपुःच मृद्य याद्य,

विवन्नी हर्द्य कामात।

#### कम्म छाडिनी।

यम पूर्व कामाहेव, पुराय प्रथ्य मिनाहेक प्रश्रं सूच कर्ड राज माति। मधा इटल छक्षीकातः । पृथ्यं यात्न मुख्याते, र्टिन वह मूक्त्य क छेकारत ॥ मन्त्राम् प्रका छूचे, । एत्य व्याम हत्व सूच, यन यभिशिष्ट मुहेक्दन। বিনাত্রতের সুংখাদয়, কলাচিত লাহি হয়; कड़ आहे शदनह अवटन । निविशास्त्र हर्जुर्ग्य, अर्थ इश्व निष्ट स्थ, बहेबान हार्षित खाटका श्चनश्च इस्त भारत, श्रीत्रहत्र विस्त भरत, ममराथ। याद्य आहे पूर्छ।। मन यनि थाक पूर्व, कि चेलिक भारत पूर्व, না বলিলে কে জানিতে পারে। প্রকাশ করিলে পরে, সুত্রনে জানিতে পারে, ८६की शाम जान कतिवादत ।। णातिनीत कथा छत्न, हेक्क्स नार

थिरत्य क्यम अधिक।

भाषात्त्रे घरम मगतः, । जिह्नित नितेष्ठतः भवना∫कानाव उप कार्याः।

্কমল চাছুরি করে, কবিছেছে ভারিণীরে। শুন কহি মন পরিচয়।

শ্বান ছে অভাগিনী, পিতা কছু নাইজানি, মাতা মোর পালন করচন

াংহের প্রতিপালনে, কৃত গুঁতি পাই মনে, প্রক্রাটিড হবল খোবদ।

विशेष्ट्र विवाद ७८४, भाष्टा ४६ (४६) क्टब्र साराध्य कृतिकाम निष्ठित ।

किन विकाशास्त्र, निक्ता याहे अकाष्ट्राव, कहि सन देवदवन प्रवेदन है

भागरत स्थलान ह जि.स्थानि स्मारत विका कृति, भाषा विषय कृति हुष्टै स्टर्म ॥

एमस्टरत हरेकरण, शांखिश स्मनक्रवारण, इन्हें कर्रन कविन्न तमन।

शुर्वर वृतक वृतक, निष्ठावत्न मानागूर्व, विशेष क्षिम् इत्सम्॥

### SALES SELLIE

ীাপ নিদ্রা ভাঙ্গি গেল, নাগর কোথায় চ र्भिष्टे कुण माहि (पश्चि क्यात । পাগतिमी প্রায় হেন, প্রভাতে ইইলাম ( क्टम (मर्र) शाहे वह छात्र ॥ সে রূপ কোথার পার, বল কেমনে নীয় বিংফ্লেডে বাঁচে কিমে প্রাণ। ও্যে ৰূপ দেশিত্ব জাহা,ভার কি দেখিব ভ किरम गृहरथ भाई अविकाश ।।,, भवि हाता करी इत्यः कूरण जलार्खाला प ভার জন্য কিবি স্থানে স্থানে। अभिनाय नामा ठाई, खाता अम ८५ थ ना त्म क्रम मा (श्रित शा महत्म। **७१स्ट**र वरे मान, चार्नाम करणा मानी नत्य देशन महत्वन। वाणिटक महेदा भारत, त्राथिटनम् यकु कर यव मुःशं देश्तृ भागत्।। णाइ भन्नं उन नत्न, भानी भिनाइन बह এবে म :च शान मदेन श्रीप

ংগ রাজ নিদানী, আমি বড় অভাগিনী, নাম মোর ভুবন গোটনী। य इति मश्रीकरहाः शिलाहिटक भारत कराहा, शरेश एटव यहमत (वहम ! ं कि यह मान (का इत कर शास इक्तिका प्रदेश कर्नम । कांत्रा कव्, 'जे'का मिन श्रांद्रहरू. मान मान का किश ए जिले। । अहे क्या, व राज्याना ध्यान तह. ् नात्याम इंड इत्य प्रते ॥

ক্ষণ ভারিণীর পরিচয় ত ক্রন্তের মায়: ভঙ্গা

শুনে হাবে যত স্থিগণ।-हैवन शामि वनाद्य वहन। পরিচর কর দ জনার। गान दश्ल गाँड अनका मता॥

**ए।दिनो कहिएइ काल काल गांव ग**ाटन । भिद्र शह भिग्न कर कराउ शिमद्र ॥ ভারা বংগ কর কেন নির্চান বছন ! তিলাই তোমাণ ছাড়া নাঁচ গো কথন।। बिसारक कारित काभिनाम कुननाना धिहमधी हरा बाज ला वाबनाता ॥ ক্ষমল কলিছে মানী যদি ভূমি বাবে। मन कारि वादिनीया कर विद्वा ५८६ ।। শর্মভাগী চয়ে লৈভু ও পরে শরণ। क्रमाधिमी स्मार्थ (या कर्तन शासन । भारत (मार्थ) यांचु इने ताका शांध । (म स्वीय मार्ड्यमा (यम करवन कामाद्र।) बहै अक्षीकात भारत कन्नन जातिनी । कमत्नत दाका श्रमि कवित्र मालिमी।। कत्रदेशां ए कवि कटक कविशः विसन्त । ष्याभाव वनकी दक्ष कड़े दिवस्य पाछत्र ॥ ভুষ্ট হরে রাম্মবালা তারা প্রতি কয়। छव वनकीत कांद्र मारि किंद्र जेते।

व किरद श्रांग ना शक्ति छेरेँ (दंते । हार काड़े का निरंत् खरुता।। श्रम् इरम् निकान ८१ यात्र ার প্রতি তবে কহিলেছে বায়।। क भागीता त्वह श्राप्ति । জি 5<sup>†</sup>ড় কেন রুয়েই কেখা<sup>ল</sup> ।; विकरी वटा भने विवर्धननी । किने, धनी आर्थि दिस्हिनी ।। मन कथा । उपमाद्य करित्। हाम (४४) काटत छान्छित ।। राष्ट्रा औं विकृष्टा हिला "बद्रप्रहा। त संश्वाची भिल्लाहरू वर्ता। एक अर्ल्ड (नरात **घाइन घर**नी । আবাধনে নাম বাখিল ভারিণী চ विभ लाहि कानि महाभाषा विदन। वद्गाविधि आहि की बादम ॥ वह अहे हिस्स शृंधि हसी का है। िड देश कानि योदन नमद्र ।।

বিভা হেডু পিডা মোর চিন্ডেড<sub>ু</sub> অন্তর। काञ कारम्यन करत समा रमना हैत । বিদান কলিব আনি কহিল পিডার। যাবং চণ্ডীক: বর না দেন ভানাগ।। না করিলনে বিভাজামি ধৌন সল। , मोजन समन वादन कुन्ह स्थान ॥ देवर्गा नाहि इस यम पुरुष : शामाहत । ं स्य फ्रश्चर्य द्वर्रयद्व छन्त्री काहित काहाद्व । खब मनहृश्य पती करिएक अकता। তোমা হতে মম ছুঃগ বিজ্ঞ প্রেল । व्यमाधिनी विवाधिनी अर्क कृत्य बहै। সমান হয়েছি দোঁহে পাতাইব সই।। क्रहे देनदत्र अकटकटक कालेकित पिन्। कुषिम युध्ति हाडी पित्वम लूपिन ।। पूरे ज्ञान महे भाषात्र धर्म माक्की कति। ভারিণী কহিছে ভবে করিয়া চাভ্রী ৷: करणक रेतमङ् नहें कामिक बताबन नानीभन नाइन लागु निकाभारित याय ।।

াৰ সধী অসিজেক তাহিনীয় ঘলে : হিল ব্যারা বহে ঘরের বাহিতে।। ানিণী ফহিছে স্থী ভোগা সংগ্ৰুট । বীবেশে আদিরহে যম প্রতি ঐ । म्भारत क्राया स्वरंत संकत्। াৰ বিহাছিল স্বৰা কারণ ।। েতে ২টল যুদ্ধ রণকীলের এলে : म्बान अमाहिल रा भागत वास । ৰ'ন্য ৰৱপতি ক্রিলেক <u>রণ।</u> েশের যুদ্ধে রাখে গৈল অভেডন।। -্তন হয়ে পতে হোটৰ উপতে। তানিলাছে উহার এইত মগরে 🔉 िनीत वादम ड्रिट नाती तम सदत । থী ববিষা তার। ভাষাইল নোরে।। । निनित्यादश (मनी क्हेंद्र, समग्र। দীৰলৈ **ৰথে মাতি কছিল আমা**ল। া করিতে দেবী দিল অংমতি। िमिथ देशन भात शाकूशिक मृति ॥

क्षरंशःना करत (मारत दिल পরিচয়। शक्त के दिवाह अना कतिव छेश्र ।। মানা ভঙ্গ কর তোরা এই যুক্তি করি। ভবে জানি ভোমরা জামার সংচ্রী। থানা ভ্রবা কছ আরু বস্ত্র অভরণ। ভোজন করার উহায় কাঁরো যতন।। ভোক্তমান্তে পরাইবে ২স্ত অভবণ I ভাঙ্গিবে উহার মাহা শুন স্বিগণ।। मस्करं कृतिहा धनी मधिशाम मिल। একেশ্র নিজাগারে আপনি কৃছিল।। भयाभित देवत्य भनी व्यानुम्बर्का श्रव । স্থীগণ চলে জবে খাদা ত্রব্বধ্যে। क्तान मधी नहेंदनक वस काजन। ्कूम२ कराती जिल सूर्शाम हमान।। (यथात्न कमन आद्य वरन क्रक्यत । সখীলণ উপনীত ভাষ্টাৰ গোচরণা शांति शांति मानीयन् क्यातादा क्या। শুন কহি বিবাগিনী বলি স্থা ভোঁমার ।। ार महे पिन **अहे** रख अखत्म । ाधीश नामधी रेतन कहिटल ट्रांकन ।। , जंबन करिया भार त्मन जुवन। एतमादम्ह मदभ हल छ। तिनी महम।। পারি সামায় ভূলে এ তিন ভূবন। ্পান ভূপিয়াহিলা প্রভু নারবিগ। ৮ বরাছিলেন ভব 🖚 হিনী দেখিয়া। ধাণাতেতে ধার শিব জান হারাইবা।।। োভাষা মায়াতে অর্ক্তন ভুলেছিল। हे एखा शार्ट्यदे पिका मिकन कविन ॥ াগার বাকোতে ভুলে রান্ধরে মন্দন। ा खरा निल याश कतिल (जाका। ভার স্থী লইলেক বস্ত্র অভরণ। েনে পরায় কেহ বলয়। কন্ধণ।। हिल्लि व्यान एकर माथारेया किला। करवा हाजूबी करत क्ला जनाइन ।। ानि नथी थूलिलिक करकत दमन। र्गनहा कार्छत खन পश्चिम एथन।।

ীক্ষরী এলাতে কেশ খনিয়া পড়িল। ুস্থীগণ কমলের মারা **ডঙ্গ কৈ**ল।। । মূর্ণীত করিয়া আঁখি স্থীগণ কর। क्वा जूमि माद्य करत्र चाहेल रहवात ॥ बिहात छेहिए मास्रा भाहेटव अथन। बिधादक खान एव छनित्व इक्षिन ॥ অত্যে চল লয়ে খাই নৃপস্থ। কাছে। পশ্চাতে দিবত সাজ। যাহা মনে আছে।। এত বলি স্থীগণ কমলেরে ধরে: কোভয়াল আমি যেন ধরিল ভক্তরে।। कमल इरहरह रहात युर्व नाहि वाली ; वटन अहेरादत ब्रष्का कतरना भिवानी ॥ চারিনিগে ঘেরে লয়ে চলে স্থীগণ। (চারেরে লইয়া চলে তারিণী বদন।। नाभरतत युव रहित भनी मरन हारन। भारकवारक छेठि हामा नश्रीदत बिक्कारन ॥ **धरे** कान जन नथी जानिति दश्थात । পুরুষ হেখার জান কাছার আঞার ॥

বৈশ্ব আনিতে চোরা গেলি যে এখন।

াথ এখানে আন কিলের কারণ।।

থাতে পিতারে কহি ভোলেরে বিধিয়।

াগরে এরে পাল্রি বিধিয়তে দিব।।

গৈণ গোড়হাতে ভারিনীরে কর।

গৈহও ঠাকুরাণী শুন পরিচয়।।

টাকারী পদ ভাবি বমুন্যাশ কয়।

গাঁট উপরে জোধ উপর্জ্ঞানয়।।

শৰ্থ কমল ভাবিশার গন্ধর্য বিবংহ মালিনীর দালা।

াড়গতে স্থাগণ কহিছে তথন।
বাদের প্রতি ক্রোধ কর অকারণ।
বাতে থাহার সনে গাতাইলে সই।
কন ঠাকুরাণী আনিয়াছি এই।।
করে আসিয়াছে বাটির ভিতরে।
নিনী সহিত এই থাকি ক্রোড ক্রে

। मालिनी इंग्लॉन चार्या कतियां यस्त। मिविटम्य श्विष्ठश्र शाहेरव अधन ॥ কিধিমতে সাঞ্চা মোরা দিব ছাইজনে গ ভদক্তে স্থে থাব বালার সম্বে !৷ সঞ্জিনীর কথা শুনি ভারিণী বিস্ময়। क्रियुक्त दाववाना क्रमानदत क्रम्। কছ চোর ভোমার কোথার নিকেতন। কিবা আতি হও ডুনি কাহার নক্ষন :! ছুই সধী প্রতি তবে কহিছে তারিণী। অঞ্জেতে ডাকিয়া আৰু পাপিষ্ঠ মালিনী 🖟 श्वामकानी क्रम ना क्षिण मानएक। शूरुय चानित (इथा कान नाइरम्ए ॥ ইহার উচিত সাজা পাইবে এখন। ना कहिरद भानिनीरंत्र नद दिवत्रण।। প্রকার করিয়া ভাকি স্মানহ ভাহায়। बिकारिया अहात वहेंब शक्तिम ॥ ! -তালিণীর আজা পেরে প্রথী ছুইজন। মালিনীরে আনিধারে করিল গমন।।

हाजवामा चौट्या मिन 'निक्नोंशर्गरत । (हारत्रदत विष्कृ करत ताथ कात्राभारत ।। মাসিনী আইলে ইছা করিব বিচার। লিন্ডাতে করিব আমি এর প্রতিকার।। শুনি সব সখীগণ কমলেরে ধরে ! রণি করি রাখিলেক ঘরের ভিকরে ।। ভারেতে কপাট দিয়। ভার ধন্ধ কৈল। दक्षन गयी एथा शहरी नहिला। ক্ষণ কৃছিছে এখন কি ক্বি উপায়। कि कहित कि एईटिव डिट्स भवत्रात ।। क्षेरिट्ड होज्याना मधीग्रान सर्व। क्ष्मा कतिरह मत्व वितरल वांमरह । ক্রিকপে ইছারে নিভা করি স্থীগণ। न निमी स्मितित यास इहेरव बर्यम ॥ यक युष्कि कार्द्ध स्त्रम युष्ठक मिनी। धकार कतिया (इशा आनह मालिनी।। কটুবাকো আমি জারে করিব ভৎ বন। ভাষারে ধরিয়া ভোরা করিবি বৃদ্ধ ॥

'इहेक्टन धकरबार वक्षन कतिया। र्गेनेषांत्र निकंगे ভোৱা ষাইবি লইরা।। বাহির বাটিতে গিয়ে কচিবে গোপনে। मानिनीदत दुवाहेवि खेटवाथ वहत्न।। । তন কহি মালিনী লে। বলি যে ভোষারে। ্ডারিণীর অনুমতি বধিতে ভোমারে ॥ চিরদিন ভব সমে আছবে পিরিতি। ভামারে করিতে বধু না ধুয়ার মতি ৷৷ ৰ দেশ ছাডিয়া যদি ঘাই দেশাস্তবে। करव ना सहिया याई वास्तात (जाहरत ।) क्ख यमि दाखवाला बङ कथा शुटन । ীাণ হারাইব মোরা যভ স্থীগণে। ्श्नमट्ड वृक्षादेश अत्मय क्षकारत । लिनीदा छाछि भिरव वाष्ट्रित वाहिरत ॥ বশেষে নাগরেরে বার্টিতে আমিরে ोपरन शक्त विका हरेबरन श्रव ॥ निनो सानित्व हैश इहेरव छोडात । ाष्ट्रा माधात हरेटव्स कमक अभाउ ॥

াররের পুর্বমত নারীবেশে রেখে। ःशंद कदिव सिंह्स भरतद किन्द्रिक ॥ ं वर्ष कतिरम एत्र श्रीक विष्टुविन । ार खेकान गरंख हुई छादि सिमा। मं अन वरन जान युक्ति ठेक्तिता है। ंकाम हरेरव हेटा ब्यानित मानिनी।। एक विक सबीवार किन मात्र । रे नानी छेखतिन यानिनी ग्यात्र ॥ ेराउ वर्गानन एरन अन (न) मानिमी ! শেশতে ভা**কিছে নো**গের রাজনন্দিনী । जिन्दाला लाइ कृषि इस मम मद्दा ে প্রফুলিত তারা চলে ততক্ষণে।। া এতে তিনজনে করিল গামন। लिनीच देश्य भिन्ना चाहिनी सप्त ।। व्यात निभनो छत्व मालिनोत्त (१८त । काष्ट्रवा विष्यूची गामागानि भारक्।। ातामकाशी त्लात वृत्क कत ना देशन। । কর্ম করিলি ভার দিব প্রতিক্ল।।

পুরুষ বাটিতে খান কোন খহলারে। ন্মখ্যী বলিয়া ভুই ভাণ্ডাইলি মোরে !! পিতারে কৃষ্ণিয়া দিব স্ব বিষয়ণ। स्त्रित्य व गर कथा रिष्टित कीत्रम ॥ উহার উচিত সাজা দিবত ভোমারে। স্থীগৰে আজ্ঞা দিল আনহ দোৱের ।। शाकामाद मधीनन कमरतरत्र शास ( इडेन्ट्न पाथारेन छातिनी तप्रम । मधीशंग कृहेक्टन कृतिल न्हान। রাজবালা মালিমীরে জিফানে ভর্মন :: নতা করে মালিনী লো কহিবৈ আমার! এই কোন জন হয় কাছার তময়।। সভা কহু ভেত্রে আমি দিলাম অভর। মিথ্যা যদি কহ তথে যাবে মমালয়।। षालिनी करिट्ड श्रन ब्राम्नात निमनी १ **ভाग मण ठेक्क्रिशी किंद्रेहें मा मानि ॥** कि मिया क्षिय जात दक जाहर मश्मारत । মিখা। যদি কহি যাব লয়ক ভিতরে।।

अनी यानिनी श्वामि शांकि छेगोरनटक ् जानियाद याहे कलती करण्या ।। न्ह जनाएक दरम भारतीस्थान वरत्र। গ্লাপ্রতু কেবা ভূমি এই সরোবরে।। াং বাদেনী ভূমি কাহ্যে ঘরণী। ে পা ভৰ নিকেতন ক্যি নাম শুনি।। ं इत्र किया (भारत श्रीवक्षनः करतः । ্থসার ক্ন্যা বলি জানার আমারে। की अनंदर वान कविन भागात्र। स्थातर**ः जानिमाम ग**र्व शक्तिकः।! िल्हाल दनकी एक एमसिन् नगटन । ं ाठे श्रद्धमान कति मदन मदन ।। হলেব প্রিচয় দিল মম ঠাই। ভিংব দেশেই জমিয়া বেভাই।। षात्म धत्र भर्मा किंद्र सामि नाहै। भी वित्रा आधि घटत मदत याहै।। े दिल्य थाटक भूटह मा ब्यामि कांत्रगा लग जाल बादम (बर्चियु जन्मन ॥

ভেকারণে কহিলাস আমি গো ভোমারে। সুখেতে থাকিবে যদি রাধ রূপ। করে। ভন্থ ঠাকুরাণী কৃহিত্ব তোমার। ভেকারণে রেখেছির গুহেতে উহার।। পরিচর শুনিয়া তারিণী ক্রোধান্তি। भानिमीद्र शानाशांन एव यत्पाहित ॥ नवीतर्ग ब्राह्मदाना फिल अपूर्माछ। मत्त्र याह हुहै करन यथा नुमम्ब ॥ कहित्व नक्ष कथा शिष्ठांत महत्व। উচিত এহার দশু করিবে রাজনে 🗓 এত শুনি সখীগণ ধরে চুইলনে। 🏌 🧎 লইয়া চলিল তবে রাজার বদনে।। বাটির বাহিরে গিয়া যত স্থীগণ। মালিনীর প্রতি তবে কহিছে ধর্মন।। खनर मालिमी ला कहि ए ए जामादत । ঠাকুরাণীর অনুমতি বধিতে তোমারে।। চির্দিন তব সনে আছমে প্রণয় ।-क्यान गरे । वाव ताकात मजात्र ।।

এক বুজি আছে ইহা কহিব ভোমারে। » (भने छाष्ट्रिश योष योह दमनाखदत्र ॥ াতে তোষারে মোরা ছেড়ে দিছে পারি। ं अन्य मा शांम स्वय बाजात कूमावी ॥ किएव अडे कथा काश्तु स्थाहरत । क्षान नावेदन कुल क्षित्व नगरत ।। িগণের বাকো ভারা হৈছ জানজিভ। া শরি দুঃখিনীর যদি কর ছিত।। । 🗝তে ধরি জামি বাঁচাও এবারে। ः । इास्त्रिः भागि भनाहे सद्द्यः ॥ া প্রি যায় তবু লা করি প্রকাশ। প্রতীরে সধীরণ দিলেক আদাস।। ेनि मालिनीरत्र मिलक श्रांक्ता। িট্যা যার ভারা পাছু না চাহিত্বা।। ि अ तरेषः हत्व छात्रियो नवस् । ें हैं दे मब कथा करए नदीवन ॥ ্য পাইয়া ধনী আৰ্মান্ত মৰে 🛔 ान शक्तर्य दिला दश ध्रेयद्यात ।।

**উভয়েতে মাল্য বদল করে ছুজনার।** भइन्द्रीतन मत्य नामत्र जुलाह । कुक् म कर्मुती जात श्रामि ध्यान । छुड़े खेरन प्राचाहेन यक नथीशन।। ক্ষলের বাসভাগে বৃসিল ভারিণী। ৰূপ দেখি মোহ গেল যতেক সঙ্গিনী।। (इनकारल मध्य हाकिल भक्षवीय। निर्देशिक छुट्डियान कार्य एट कान।। कांन हार्राहण बाह धनरकर नार्य। একদৃষ্টে লহে রাহ ভারিণীর পানে।। লাভ পেয়ে শ্লীমুখী বদন ঢাকিল। दमन ४ विषा द्वांत्र होतित्व लाधिन । জুজনার রক্ত দেখি যত স্থীগণ। পলাইয়া গেল বৰে আপন ভংন।। कार्भाव कामगान देशन बातकन। वञ्चलाम तटा काचि हक्षीकी हतन।।

# অৰ কমৰ্ম ভারিণীর শৃষ্ণার। ত্রিপদী।

त्राप्तम मत्र अंत्रशाहर नाशि करत नव्यः। छहः, नाशितीत यमन युनिन ।

াক পেয়ে চন্দোননী, বলে ওহে ওণ্মনি, কেনছে এমন কর বল।।

লামি হে মুখন ত্রকী, নাহি জানি এ পিরীছি, দেহ শিক্ষা ভূমি হয়ে গুরু।

জ্পানে শিবাতিত হয়, প্রেন শুরু (ঘ্র' হয়, 'শেই হয় বাস্তুঃ কম্পাতরু।।

ृष्टानरक इम्र अन्न, शास एक नाहि अन्न, नर्स कारी चाहि बहैक्श।

দর্ম কার্যো আছে গুরু, প্রেনগুরু কণ্পতর; ভূমি গুরু ইংগ্ হর ভূপ।।

গানি কংশ রসরাজ, কহিছে লাগায়ে লাজ, এ বিদায়ে শুরু কেই হয়।

কেমন সধন গুণ, হয় বিদ্যা শৃত গুণ, শিক্ষাগুরু রুভি মহাশ্র। বাল্য হৃদ্ধ ধুবা যভ, পশু পদ্ধ কভ শভ, সর্ব্বহটে জ্ঞামে, মদন।

শে জনার হেন বাণ, শৈবের ভাঙ্গিল ধ্যান, কামে শিল হৈল অচেডন।।

ফেতন পাইয়া ধায়, মদনে দেখিতে পায়, কামে ভস্ম করে ত্রিপুরারি।

শিব কোণে ভক্ষ হৈল, রতি আদি বাঁচাইল, সদাদশ্যে বস্তু স্কৃতি করি।।

ছথাচ তাহার বাগ, অভিন করয়ে প্রাণ, কোথা হৈতে হয় হে উৎপক্তি।

প্রিরদী বলি ভোমার, এ কর্মেতে নাহি ভর, ন্থির হও ধৈহাঁ ধর মতি।।

এত বলি গুণমণি, কোলে নিল প্রিয়সিনী, বদনেতে চুম্বির্মন ।

श्रुट्थ छूट करन, माखिन खनक वारनः चरम भरक (माहात यमन्।

সহলে সহলে হর, প্রিয়দীর ভাকে ভর, বাভি গেল কামের ভরক।

प्रहे बारन गरको दुरक, विशंतरत्त नाना सूर्य, कायवारण मिश्तरत्र श्रक्षा।

নুধামৃত পান করে; কাচ**ন্ট্র করেছে ধরে,** দেন রায় মতা কবিবর।

कर्त तरह करधामूरचे, करन मधू चात्र मूरच, अकृतिः चानम अस्ट ॥

ক্রমে ক্ল বদাইল,\* রসবভী শিহরিল,
আবেশেতে রসিলেক অঞ্

िल्लाक साहि विख्याम, जिथिनता जेटठे काण, धुमर भिरुद्रदम कल्ला।

থেনে কোমর দোলে, নাগরী নাগরে কোলে। কভু রায় ধনীর কোলেতে।

ধেবিয়া নোঁহার কাব, লাফেডে পলার লাজ, লাজ, লাজ পাইয়া মনেতে।।

ध्यमञ्जन छेर्फ छेथालः, निर्माण इहेवात कारणः, इहेब्यान इहेल माहिख ।

্স ঘন স্থাস বহে, নেনিংহে দোঁহা চাপি এছে, বিঃশ**ন্দেকে পোনন** রহিত।। নির্গত হইল কাম, পুর্গ হৈল মনকান,
প্রেমানশে আনন্দ যুবতী।
ক্রেমতে তিনবার, নাগরে করে বিহার,
ভিত্তির পোহাইল রাতি।।
রঙ্গনী দোখ প্রভাত, পুর্কদিণে দিননাথ,
প্রকাশিয়া হইল উল্লিত।
রস্তদাস এই কয়, যে জন র্লিক হয়,
এ রসেতে শে জন মোহিত।।

क्रब क्रिया मुकाबारस छातिनीत मान्।

রমণান্তে ছুইজন বসিল গাললে।
রতিপ্রম পাসরিল অনক এসকে।
গোপন ভাবেতে ছিল যত স্থীগণ।
শুনিরা দোহার কথা আইল ভ্রন।।
সুবাশিত বারি আনি দিল স্বীগণ।
দুইজনে করি লেক মুখ প্রক্ষালন।।
স্থীগণে দেখি রাবা লাজ্ঞিত বদন।
আপনি সারিষা বৈদে অন্তের বদন।

निश्चल वरन छन छन ठाकूड्नि । এত লাজ কর কেন দেখিয়া শসিধী। প্রিয়স্থী আছে তব কাছেতে বনিয়ে। भागदा नकता गाहे थाद नका नाम ।। अनि धनी गनिनीक मधन धतिन। মুদুর্যরে সাখিগণে কহিতে নাগিল।। তোমাদের দানুকুলে মিলিল শাহণী। क्कल झाहिया किन कह एवस वांगी। मध्यार वरन खन कति निरवहन। माश्रंत यूगन क्य क्रिंड पर्मन 🏥 মনেতে বাসন। ইহা ছিল বছ দিন। राग्ना भूतात्वन हुं देश सूम्नि। ূনে মতে স্থীসনে নানা কথা হয়। পুদিনত নারিবেশ ধরিলেক রায়॥ ল বীবেশে থাকে বার সঙ্গীণির দরে। स्क उथा जुल बद्ध निवस्ता।

নানামতে রতিক্রীড়া কুরয়ে রাজন। निकारिका कुछा विश्रात हरे जन ॥ बैक फिन फिराचारश दाङाद निक्नी। নিজাগারে শব্যাপরে নিডা যার ধনী। আর যত স্থীগণ মুগ্নে অচেডন : জাগ্রত আছুয়ে মাত্র রাজার নন্দন ।। ধিরে ধিরে গেল রায় তারিণীর ঘরে া দেখিল নিভিত ধনী শঘ্যার উপরে ॥ १ वमन भगिया भाष्ट जानू थालू थाया দেখিয়া তো রসরায় প্রফুল কানয়।। খটোপরে উঠি তবে ব'শল রাজন। েদেখিলেক ভারিণীর নাহিক চেতন। 🦠 কুচকলি প্ৰকৃতিত ডালিম্ব সমান। দেখিয়াত নরপতি কামে হওঁজান।। কামবাণে ভূপতির রাজার শরীর মোহিল ! শীহরিয়ে উঠে অব ক্রিয় ক্লিগল 👭

क्तमर्छ रेहमा ज्या दीकांद्र मुन्त । रत ए**न यूत्रजित চूम्रास तमन** क्रकलि भर्मन कत्रा मनमूर्थ। খাসত **পান করে রহে মুখে মুখে**।। ্তাজি রসরাজ কর্মে রসণ : ः मु**र्थ तृत्क तृत्क व्रंटर व्रहे ज्**ना ।। র নিশি বাগরণে ছিল ছই জনে। r! না ভাজে ধনীর তাহার কারণে !! अर्थाला **मुर्श्याम**त्र विश्वन **रहेन** । শর্ববতী নাগরে ধরিল। বংশ যত দুখ একর্মেতে হয়। चित्रकाल प्रथर महाभग्न। নিদ্ধি করি রায় উঠিয়া বসিল। ্র রসবতী চেত্তন পাইল। খ বিষয়া রার দেখিলেক ধনী। े सु (इस कर्म करत खनम्गि।।

্ক্রোধবুক হয়ে রামা করয়ে ভূর্নিন। এয়ন নিল্ড আমি/না দেখি কথন।। কেবহ কুল্পিড কর্ম দিবলে করিলে। কেহ পাছে দেখে ইহা মনে না ভাবিলে।। দৈবে যদি পিতা মাভা আসিত এথায়। কি লঠনা হইত তবে ভাবি দেখ রায় 🛚 এমন নিৰ্দুর ভুমি আগেতে জানিলে। তবে कि गणिত यन उर धर्मान्ति॥ লাজভয় যে জনার তিলার্ছেতে নাই। তার সনে প্রেম করা এ বক্ত বালাই।। व्यक्तिगान कारक द्वांका उन्माकिनी आहा এমন লম্পট কেন মিলিল আমায়। ক্রন্দন শুনিয়া উঠে যন্ত সুখিন।। ভারিণীর নিকটতৈ **র্দিল হরশন**।। দেখিল ছজনৈ আছে একতে বসিয়া। আচ্ছিতে কান্দে রামা শীরে কর দিয়া 🔢 कमन-छाति। कमन-छाति

्रिश गह**ठतीश्रद्ध वार्श हम**्कीते জিলাশয়ে বি**নয়েতে ক**রি বোডকর ।। कत्र करत्र ठाक्तांगी कहिरन नवारत i पाक्षमाद अकि जात करेंग अक्टाइ त ভন্দরের প্রায় তুপ বৃদিয়া আছয়। कि मनाएक ठेविदानी श्रष्ठांव छेम्स ।। अभिन्न कृष्टि **धनी नशी नश्रधिया।** प्रम कर्षिति किन मिन मिनाहेश।। িশহর[যে জনার নাছিক শরীরে। শ্বলারে ব**ধিবারে অন্যাদে পারে।।** ক কহিব সখীপণ মরি গো গজ্জায়। দিবাভাগে রতিক্রীতা শুনেছ কোথায়।। নভাবশে আছি আমি আপন আগারে। र्म फिल खारन रना फिर्ना छुटे खहरत ॥ ীর বাহির করে দেহ গো হরায়। व्यापराज किंदि मेची मिचिटन केवारा ।।

কোধবৃক্ত হয়ে রামা 👣 তারিণী। এমন নিৰ্বজ্ঞ আমি কৃতি বামি এছার জীবন । छिनिया धनीत कथा करह नथीशन। क्ति रहे । इस कर्म कहिल नांशत । অনুসতি দিল ধনী যাহ স্থানান্তর।। যে দৈখি ইহার ক্রোধ বড়ই বিস্ম। বিপারীত হবে ইথে করি অনুপম।। ক্ষণেক যাও ছে রায় বাটার বাছিরে। भागा हत्व दाकवावा अम भुनः किर्द्ध ॥ রাজা বলে স্থীগণ বলিছে তোমায়। यमानि इरेगांग स्तिषी ও ताकाभाग।। म्बद्ध तम्बि अक्सांत्र ७ इत्रर्ग ध्रद्ध । म्या ना करतम मणि यांक छानाछरता। नः करतम मग्ना यमि खोवरन विकला। वमूबरन वहै हिया भूकोरतत कंता।

## অথ ভারিণীর মান ভীগুলার্থে নাগরের সাধনা।

मीर्च भन्नात ।

त्रत्थ मानतित मान, त्रत्थ मानतित मान,

श्रीविष्ठ नाश्वत किर्ण श्रुट गमाथान । हेड्स सम्मुख श्रीविष्ट, हेड्स सम्मुख अहिर्ल,

্র শনেতে ভাগেকে, হহা মনেতে ভাগেরে করপুটে করে রায় শন্তীসম্বধিয়ে ।।

शिरम प्रा कत स्माद्ध, शिरम प्रा कत स्माद्ध,

তোমা বিনা কেবা আছে যাব কোণাকারে। কাছি রাম্য তেরাগিয়ে এলাম রাম্বা তেরাগিয়ে

স্থাত ওজন্মত জ্যাত কৰি হ'ব চেয়ে।। স্থাতাগী হয়ে আহি তৰ হ'ব চেয়ে।।

कृषि इता दश निषया कृषि शता दशनिषय,

এদাসের প্রতি ক্রোধ উপযুক্ত নয়।

চাহ বছন ভুলিয়া, চাহ বছন ভুলিয়া,

ু ৰৌৰ্ভতে রহ প্রিয়ে কিশের লাগিয়া।

যদি না তাজিবে অন্ন, যদি না তাজিবে মান,
তিক্ষানে প্রিয়নী হে হায় মোর প্রাণ।
আমি পশীব অনলে, আমি পশীব অনলে,

গরল খাইব কিয়া ঝাপ দিব জলে। সাধি চয়ণে ধরিয়া, সাধি চরণে ধরিয়া, কথা কহ প্রাণেশ্বরি বদন তুলিয়া।

নাগর ধরিলেক পায়, নাগর ধরিলেক পায়, প্রাণপ্রিয়ে একবার হর ছে য়দয়।

विभ करत थाकि स्मिन, यमि करत थाकि म्हाय

'मन्यूण कारत खिला एउ एक मास्या

মান ভাজা হে তারিণি, মান ভাজ হে তারি<sup>তি</sup>

তোমা বিনে ব্রিভ্রনে কারে নাহি জা বাই তীৰ্ণতে চলিয়া, খাই তীর্ণতে চলিয়া,

ट्यांतर **आ**तं रक कार प्र टिन्ना।

নেখে নাগরে ছুর্গতি, দেখে নাগরে ছুর্গন্তি, স্থীগর কৃত্তে তবে নাগরির প্রতি। अन अने ठाकुनानी, अने अने ठाकुनानी, **इत्य धनिया बाय माछे। य धत्री।** ত্ব মান সমাধান, কর সাম সমাধান, गांक गांक इस्ट यात छे जाव गांन। ात्रत्र कवित ए काल, नागत कवित व काछ, দিলে ভার এতিফল শুনে লাগে লাজ। ार्क अरमङ पूर्वार्थ, श्रूर्क अरमङ गुर्वार्थ, ' थाशी हरा हिल्ल हति श्रीताधार गाल স দৰ বৰ্ণিতে বিস্তর, সদে সদ বৰ্ণিতে বিস্তর, म्बार्य हरि श्वाहेल स्थुता नगत। ्य भारत कि हहेंग, रमय भारत कि हहेंग, বিচ্ছে**দন্ত**ালাতে রাধার যে দশা ছাল। িভ শব্দ ভাল নর, অতি শব্দ ভাল নয়, অতি দৰ্শে হত লক্ষা প্ৰমাণ আছয়। किमान पूर्वाधन, विक् मान पूर्वाधन, जिल्लाम् व वक्ताद्व क्रेस्टा जिल्ला

> ष्यथ डातिनीत मान्यकंग्रलत विष्यंत्र । जिलाही ।

नाजात्त्र नात्रीत याम, स्ता तात्र व्यभगाः करह जूभ मधी मस्थिता। माधिन कत्रश्य थरतः मग्ना ना स्टेट्स स्वाट जरव थाकि किर्मात नाभिग्ना॥ यादि स्टात यात्र स्थान स्थान विक्र কার মুখ চেয়ে রব, বলো কেমতে ব্চিব্ বিচ্ছেদেতে বিদরে হৃদ্য।। যাহারে ভেবে আপান, সপে ছিলান মন প্রাণ, বিক্রীত ইহ্য়াছিলাম পায়। কহেছেন পূর্ফে নোরে, বহুনোধ হলে পরে,

দে দোষেতে পাইবে অভয় । করিয়াছ ভুচ্ছ দোব। তাতে কেন এত রোগ,

স্থীগণ কি বলিব নার। আর না রহিব হেথা। যাই আনি মথা তথা,

এ পিরীতে হই নমস্কার ।।
এতেক বলিয়া রায়, নানেতে ব্যাকুল কার,
কাহে প্রিয়ে তবে আমি আদি।

ध्टर जात नाहि यांत, कादत यूर्ण ना (म्यांत,

এক বারে হই তীর্থবাদী।।
বাটির বাহিরে গীয়ে, চন্তীকায় প্রণমিয়ে,
তব করে যদ্ভি-ছই পানী।

রুপাষয়ী কাল হরা, স্কুতান্ত দলনী ভারা, আশুভোষ স্থাদে বিলাসিনী !:

শिव गौमछोनी भागमा, निवयत्वनी छेमा, टेट्मवजी इत मन तथा।

विश्वादियो, विश्व विश्वव नामिनी. व विश्वत छेकाद्या ला मा।

कारक ताषात जनम्, तिवी नित्न च छन्नः रेपदवानी इन्हें मर्स्सर !

যাহ বাছা দেকে যাহ, জননীরে সম্ভোবহ, বৈদ্যারা আপন রাজ্যতে।।

বেমন কান্দানে-তোরে ছিণ্ডণ কান্দাব তারে:

অবশেষে হইবে মিলন।

সর্ব জনে এই কয়, কলিলৈ কান্দিতে হয়, শাস্ত্রমত বেদের লিখন।।

टेन्दवांगी छनि तास, प्रानिटम अपूत्र कास-

নারিবেশে নর্থতি, মানভরে ক্রতপতি,
হাড়াইল তারিণীর ধাম।।
নগর বাহিরে গিয়ে, নারিবেশ তেয়াগিয়ে,
হল রাম পুরুষের বেশ।
মনে ভাবে নৃপরায়, এবে কি ভারি উপায়,
নাহি ভানী কোগা, মম দেশ।

এত ভাবি নরপতি, হনেতে চিন্তিত অতি। বৈশে এক তরুবর তলে।

প্রয়ার মানের দায়, নাগর বাকুল বার্

यनावन प्रिवानिमा एटन ॥

পাগলের প্রায় রায়, গুলার লুণ্টিত কান, নহামায়। জানিলেন মনে।

নন্দীরে ডাকিয়া কয়, যথা আছে নররায়, যাহ ভূমি ডাহার সমনে ॥

মারারপে মারা করে, রেখে এগ কমর্লেরেন ভূপভিরে আপন রাজ্যেতে ব্রাক্তার কেটোল হয়ে, অস্থোপনে আরোহিয়ে, যাহ ভূমি নৃপতি অগ্রেতে॥

ভূলাইয়া ক্যলেরে, লয়ে এই অস্থোপরের রেখে এস ভূপতিরে দেশে॥

इसा क्रि ভाश्चित्राः भाषाक्रभ अव्यक्तिम्यः

্হেথায় সাগিবে অবশেষে॥

চণ্ডীকরে আজ্ঞ। পেয়ে, নন্দি আনন্দিত হয়ে।

কমলের কোটাল হইয়ে।

অখোপরে আরোহিল, যথায় কমল ছিল, তার অঞ্চেদাগুইল গিয়ে।

হেরি তারে ধরাপতি, জিল্ভাশরে মহামতি,
ধিরে থিরে মধুর বর্চনে।

কোথা তব নিকেতন, কোথা কয়েছ গমল, কিবা নাম শুনিব অবলে ৷

কোটাল চাডুরি করে, কহিতেহে নৃপতিরে, শুন কহি মন বিররণ।

## ক্ষল তারিণী লীলা, বশুদাস বিরচিলা, ছাদে ভাবি চণ্ডীকাচরণ।।

কমলের স্থাদেশে গমন। প্রয়ার।

ा इराय कालगान करिए जयन ! িন সহাশ্য পানি করি নিবেদন। ারতী নগরে রাজা জয়ৎ সেন নাম। ाते पुंज कशन एएएड छन पात्र II ें अन्।भाग ताथ शिश्चाहिल वदन । <sup>ব</sup>্নতে হইল যুদ্ধ রাক্ষণের সনে।। वर्षमना जूनजित्र भनाहेता भना। েক্ষর নরপতি সংগ্রামেতে ছিল।। भेत सन्त किहू छात्र सा छानि मस्तामे। ्रगान कति मात्रा घंटोटा अनाम ॥ ेशत जननी कारम ल्यांक चरहरून।

হাহাকার শব্দ রাজ্য নাহিক রাজন !! দীগদীগান্তরে মোরা খুব্দিয়া বেড়াই। তার শম ত্রিভুবনে কভু দেখি নাই !! তোদারে দেখিয়া আমি ভাবি মনে মন। পারুমানে দেখি যেন রাজার মতন। তেমতি রূপের শোভা তেমতি বরণ। কেবা ডুমি নছাশর কছ বিবরণ ॥ কোটালের কথা শুনি কহিছে রাজন। क्टिए ना পाति व्यक्ति रम मन दहन।। কেনন আছেন দুত জননী আৰার। রাজ্যের কুশল কছ শুনি সমাচার।। কোত্যাল কহে রার কছনে না যায়। সচক্রে দেখিবে পিয়ে চলছ্ সরায়।। অংখাপরে আরোছন ক্রি বররায়। কোত্রাল সহ রায় রামেশেতে নার।। বাযুবেগে চলে হয় দেশ-ছেশান্তর।

व्यवित्र श्रेखितिन क्रिश्री मगत्।। नशत निकार शिया काष्ट्रान करा। বাইতে না পারে **অধ বড় পিপাশা**র। ঙ্গাকে দাঙার রাজা বৈশ এই খানে। ংগুৰে ভড়াগ ঐ দেখ বিদ্যমানে।। अन था उग्राह्मा की भागित वथन । ः (व श्रीम व्यापाल कतिक शमन কাটালের বাকো রায় লায়িল তথম ১ 🚉 गरेश कारुयान कतिन भगन।। ারবর নিক**টেতে উপনীত হ**য়ে। <sup>্ব</sup> রা প্রকা**শিয়া নদিদ গেল পলাইয়ে**।। <sup>विदे</sup>रत करिन सन्ती गर विदेश । ा ताम वित्रा ভाविष्ट मरनमन ॥ ेड्ड क विन**रम् ताना भाग मरतावर**त्। ি হি দেখে কোতয়াল না দে**ংখ অ**খেরে। িছর হইয়া রাজা ব্দিল তথন।

. . . 8 ্হনকালে পুর বাসি আইল একলন। দেখি তারে নরপতি জিজানে তথ্ন। স্বাধেতে কোন আগ কছ বিবরণ।। পুরবাসি ক'হে শুন বলি গো ভোমায়। इय्हीनगात उई प्रथ मंश्रामंत्र ॥ রাজা কংহ পুরুবাদী কছি গো তেখারে। রাজপুরী দেখাইয়া দেহত আমারে।। জিক্তাসয়ে পুরবাসী ভুমি কোন জন। রাজপুরী যাবে ভূমি কিসের ক্লারণ।। ब्रास्त करह मन कथा कहिन शाकारक । সংবাদ জানাও আংগে রাজার বাটিতে ।। क्शल व्यागांत नाम कहिन छामारत । রাজপুরি লয়ে চল কোরে সকে করে।। শুনি পুরবাদী ছইলো প্রকুল ক্ষয়। ক্রতগতি খেয়ে চলে রাজার শভায়।। भाज चिजनात करक नव विवत्रण।

पानिशा**र गत्रणिक नेशरत अथन** ॥ পাত মিত্ৰ গণ নৰ ধাইয়া চলিল ; ्यका स्माहन स्मान्न महा स्कामाङ्ग ॥ अविवासि क्षान्ति शामिन ताकरम। গতিকে নরপতি আইন নিকেতনে । শালে বেখিতে আইলো যুক্ত পুরুত্বন। १८१ दक्क शुदा व्यानि नवार शयन ॥ ্য ইন্ডি করে কেই ধাইল ছরিতে। ा नाइरता महातानी अलत कहेरछ।। के एक नहाँ क्यानाद क्वरहा काम्न । ্র জলেতে রাণীর ভিজিল বসন ।। े निक्रभग चानि तांगीति द्वाहा। ः। भाग नशासी निज्ञानस्य योग्न ॥ ैं विजयता दाजा ध्वान कतिता। েনন বাজি ভারে রাজা সম্ভাযিত।। <sup>१९ क्ष</sup>न विकत्न क्रारंग त्राष्ट्रन्।

মহ, আনন্দিত সহ রাজার ধ্রন 🗥 🐪 প্ৰাত্ত মিত্ৰ সকলেতে জিল্লাসে তথ্ন ৷ কহ শুনি মহাশয় আত্ম বিবরণ।। বাক্ষদের ইইতে কিনে ইইল নিক্তি। এত দিন ছিলে কোথা কছ নহাগতি।। রাজার কলে সেই কথা কহিতে বিশুর ! বাক্ষদের সজে বঙ্ই হইল ফুকর।। অচেতন হয়ে পড়ে অশ্বের উপরে : অস্ব লয়ে ধেল থেরে দিগ দিপান্তরে॥ অহ পরে বহু দেশ ভ্রমিরা বেড়াই। তদস্তরে সে অশুরে দেশেতে পাঠাই।। ख्स (वर्ष हिनाम **जानि जाविए न**शरत । ্ৰজন কোত্ৰালে পাই ৰেখিবারে।। অখ্যত কোত্ৰাল নিকটে আইলো | উভয়েতে পরিচয় ছইজনে হল।। তার অংশ চড়ে জামি আইলাম হেখায় ৷ भिवामिक इहेरनन टैक्किंग्नित हस्र ॥ ात छल बालग्राहरू कि निर्मान मा के स्नाम दका न्यादन दका भाका दिन दशन ।। ্ৰায় হইল্ম মানি তারে না দেখিয়ে। - रेट लाजिनान आृति उथाय रिमास व क कल भड़वालि गरम महत्रमम्। गत मह जामि इशा खम ननेकम ॥ ্লেতে ছিল না দেশ কেখিনি আৰার : . নেৰূপী পাব আমি এই রাজ্যভার।। শ'ন সুৰু সভাজন বিষয়া হইল। উহয়ে সকলেতে নিশ্বালয়ে গেল। ্নৰপী নিজৱাজা ক্রয়ে রাজন। ারিণীর ভাব রাম্বার হল বিম্মরণ।। ंत्यम भा साभार कि कत विभारत। াইতে না **হবে আর শবন দ্বালয়ে॥** 

## অথ তারিণীর বিচ্ছেদ। পরার।

ट्या चाञ्च ता**जवाना स्ट्रे**श गानिसी। সারা দিবা সেল যখন **আইল যামিন**ী॥ না দেখি নাগরে রামা বদাকুলিত কার। শবিশীগণরে তবে শব্দরে শুখায়।। কহ স্থী প্রাণনাথ গেল গো তথায় : তারে না হেরিয়ে সখী মনপ্রাণ যার।। किन ना कदिनाम मान देन कि इहेन। " নাথের বিচ্ছেদানলে বৃঝি লাগ গেল।। থৈয়্য বে ধরিতে নারি প্রাণ ইলে যার। কি করিলাম **কি হ**ইল হার হার।। এত বনি রাজবালা হে **নাথ ব**লিয়া। অক্ষাৎ ধরাতলৈ পড়ে মুঁচ্ছা ছইয়া !! হিন্দু২ প্রেমবারি ছুনয়নে বহেৰ 🔻 🔻 म्भानहीन तांक्वांना व्यक्तकर्भ तरह ॥

্দুলি সহ স্থাগ্ৰে লাগে চমৎকার। कि रुन र तल करत र शिकात।। হৰ। হইতে সখীগণ তারিণীয়ে তোলে। नरमधी वाजवालांश करितनक काला ॥ ्कान मधी बाबि आमि वम्रान्त हा । कह वा अध्यक महा वसेन ग्रुडांत ।। কেন বা করিয়াছিলে হেন্ছার মান। মানেতে হারালে মাথ ইবে যায় প্রাণ।। ্ৰুণেক বিল**য়ে ধুনী চৈতভ পাইয়ে**। মুদুখনে সঙ্গিণীর প্রতি জিল্ফা শামে।। কহ সখী কোথা গেল মম প্রাণনাথ। कि कविलाम कि रहेन कि एक्शंदि नाथ।। বারেক আনিয়া সখী দেখা গো আমারে। .তাহার বির**হে মমদ্ভে কলেবরে**।। ্দ কান্ত বিহনে মে!রে কে শান্ত করিবে। নিত্যি ভেবেছি মূলে প্রাণান্ত হইবে ৪

नारंपत्र विष्म्हांमन स्रायह अवन। कार्छित्रा जानारेया त्रह ला व्यवन ॥ তাহা এবেশিয়া করি এনল শীতল। धांगमाथ वितन मधी कोवरंन कि कल।! गर्थीभन नटा सन् सन् ठांकूतानो । ধৈর্ঘ্য ধর পাবে পুনঃ সেই গুণমান।। ষাগেতে করিলান মানা শুনি না কানে। নাগরে বিখায় দিলি হেন ছার মানে।। कान्नारल कान्तिरङ इप्र खरनष्ट सुवर्ष । ধৈৰ্য্য ধর পাবে নাথ কান্দ অকারণে ।। जातिनो कहिए मधी कि इश कहिल। मृद्युरन्दर ट्वांता स्वम श्रीनमानं मिनी।। আবার কি পাব আমি নাগরে দেখিতে। অংবার কি পাব **ভার বামেতে বন্দিতে**।। আৰার কি রব দেঁহে বদনে বদনে। প্ৰাণ যুড়াইব দোঁহে ন্থামূত পাৰে।।

**ंड विन ब्रांक वानी उन्नाहिन**ी आह থেয়েচলে মহামায়া আছেন যথায় ।৷ का माला श्रमहाता मित् मिमहिनी। विक मारीत थिछि क्विन निरुद्ध क्विनी।। োমার রূপার মালু পেরেছিলান পতি। धर किन कर यांचा व एम पूर्वित ॥ াল্যবন্ধি পুঞ্জি তোমায় দে কান্তের আংশ। িয়ে কভি করে শান্ত এই কর শেষে।। াণের বিচ্ছেদে আর না রাখিব প্রাণ यानाच करेला गाला भार भहिजान ॥ वह कि नामीत नगा कतिता कननी। গ্ৰকরে মহাসায় জুড়িছ্ইপাণী ॥ ें उर अकात खर करत हडीकांस । . इंशेक्ति अन ভावि वस मांग क्य ।

অথ তারিণীকৃত চৌতিব অকর্বে চণ্ডীকার স্থা পদার।

ক কুপাকর কাত্যায়নী করিলাম অধন। कृशामती कृशा निधि क्ष्णांखनन ॥ ण श्रक्तांनी (थ्रष्टेक धूता जा**णत म**ेहातः। थशील (मरत्युक्त क्यांक्रिक छोत्र। ॥ গ গ্ৰমাতা গয়েশ্বরি গীরিলাননীনি : গ্যাপসা গোদাবরি সকুলে গোপীনি।। ब वन घन निश्रुमारम् ध्वतिरक व्यश्वतः वात गगरत भग मिनी महिनास्तत ।। চ চায়ুগুাৰ্কপিনী চণ্ডীচণ্ডয়ণ্ড নাশিনী। চারিজুগে চরাচরে বক্ষ দীপ্রবাদা । ७ इल क्ति इलिल मा गायित नकान । ছলীলে জীনন্তেমাতা দকিণ মশানে।। क क्षमानिस्नी जश्न जिल्लार्डत मात्। জ্মের যন্ত্রণা শুনি নার্যে জায়জার।।

া বাজারিয়া পুনু মাতা ধ্রিলে জ্বন। वंचर व सहिष्टी महत्र हेम्छात्रन ।। रे पेस्तृतिमा निक् **यञ्ज क्थन** हाक्ति। ोर कार्त **की** जिल्ला तथा उत्त ॥ ন ভগমগ করে ছি**তি চরণের** ভরে : ातरः भनास्त्रक्षेत्रं भीत्वत् स्थाठत्त् ॥ ह हाल बाका प्रहेशास्त्र केशाविकी ्राम । उत्थाक हत्तात्व जायांनी महहर ॥ ্ত্রমন্ত্রী তারা ভূমি তিমির নাশিনী। िर्व ज्ञात्म (करा जात्त भगागि।) "तिर कात"णक चित्र माहि तस्। िक्ट मस्त्रभएषु मधस्त्र छग्नः ॥ मन मती नाम इती दारांगरण शनि । িট্রী ছখিনীর পতি দেহ আনী।। वर्ग वर्ग नाहित्यांत क्यार्थिक सन्। उत्त ज्ञा इत्राम् श्राम् एक दक्षन्।।

1.8 ন নন্দ্রোণ সুভাগাতা নগেন্দ্র নন্দ্রী। নিরাকার জলময়ী তর্<del>ন কপিনী।</del> প পার্মতি পরমাংগাঁত পতিত পাবনি। পাৰে। কেতে করতাণ আমিলো পাশেনী ।। क किनल गणि रेस हस (एवश्राम কলিবেক মোককল শতে যোগায়ণে।। द दक्षन आञ्च कति छद नाम आहत । বিদিয়াছে নিন্দু,তিরে বহিব্যাধি পরে॥ ত তৈরৰ ভবানী মাতা বিবিষ্কান্ধ সূত। ভব ভয় হরা তারা ভবের বনিতা।। म महिवमिनिनी माठा मतन शाहे छत्। মায়াতে মোহিত করে গেলে গো কোথায় : হ গ্রুনাতে মায়া করি শিবালপ কলে। याशमाश वनुरमंदि शांत करतिहरता। त नाधर महिथी इत्य तांवरण मानिता। রাম্চত পুজা তব করিব অকালে।।

ল লখাতে আছিলে মাতা উপ্রচণ্ডা বেশ तर वह करत किस्ता हत्या महस्य ।। व इन्मान्दम कांछाायनी बल्गाछ अनमी। लक्कीना कतिरत या नरेशा शामिरी ।। শ শাখালিনী শামিকপে অবতীৰ্ ইলে। খ্যান ৰূপে শ্যাম। হয়ে ভায়েনে ছলিকে व बढ़ातन जबकात एक। भागवाणी। भठेतः कतिरत् भिरद छनित्व वार्शनि ॥ त महत्र महत्रामन इपि मिल भारत। দ্র গুণ সাধ্য নছে পারি বর্ণিবারে।। ह देश्यवजी इत्थन वामकत्त्र नित्न । স্লাহল পানে হরে রক্ষা করেছিলে।। ক্ষ কণেক করুণা কর প্রসন্ন বশ্তরে। किञ्चि नु में देशूमांग वरन खंखकरत !!

অ্থ মৃদ্রসেন রাজার স্বপ্ন দর্শন । भगत ।

ন্তবে ভূফ মহামার। হইরা সদয়। আকাশবাণীতে তারা তারিণীরে কয়।। न। काम्स् न। काम्स् नाष्ट्री मश्चल कन्तन । भूनक्त्री इहेर्दक प्रज्ञात विवस ॥ আকাশবাণীতে দেবী এতেক কহিয়ে। নিশিযোগে রাজার শিয়রে বৈনে গিয়ে।। নিদ্র। ধার মত্তদেন হয়ে অচেতন। নিশ্বিশে মহামায়। দেখার স্থান।। শুন বাছ। মদ্রদেল ক্ষিরে ভোমায়। তব কন্যা রাখ ইবে করিয়া উপায়।। शस्त्र विवीश करत क्रमल तांकन। क्य**डीनगरत <b>जग्न**्र**ानत नन्स**ा। নারীবেশে এসেছিল তারিণী ভবনে। তারিণীর মানেতে সে গ্রেল নিকেতনে 🛭

তারিণী তাহার শোকে আছে সচেতন। পুনরগী আনি তারে করাই মিলন।। বদাপি হে মন্তবেন এহা না করিবে। निक्त्य क्वानित् बाद कमां गाँधि बादि ॥ কহিলাস কর রার ইহার উপার। कमत्न व्यानिष ८१था द्वांथ उन्हात ॥ লোকাচারে বিবাহ তাহার সনে দেহ। পুনরপী তুইদ্ধনে ঘিলন করাহ 🖟 এত বলি মত্তসেনে জাগাইয়া দিয়া। अद्यान हहेन (एवी এতেক वनिश्रा।) নিদ্র: ভাঙ্কি নরপতি উঠিয়া বৈদিল। থপ্ন হেরি বাাকুলি**ত হাদ্**য় কম্পিল।। मूर्ण द्वांम त्राम्भक स्माद्ध स्टाम समा। শব্দ শুনি উঠি বাণী ব্যিল তথ্য ॥ कि हरना कि हरना वनि त्राक्षात किछात। কিছু ন†ছি বলে ব্লাজঃ অধোমুখে বৈদে।।

বিপৌৰলে কে**ন ডাজা** বিৱস বদ্ন : निष्ठात्वरम हिला किन हरेला अमन ॥ রাজা বলে শুন রাণী কি বলিব আর। कना भना क्नज्य हरेन बागाते॥ विष्टा ना कतिय कन्या हैश्त कातन । পোপলেতে বিভা করে কমল রাজন।। জরুংদেন মুত বাস জয়ন্তীনগরে। नाती विद्यास अस्ति । विद्यासिक विद् शक्तक दिवांश कति हिल हुई छटन । তারিণীর মামেতে নে গল নিকেতনে॥ ভার শোকে হলোঁ কন্যা পাগলিনী প্রায় : कगरन कानिया (इशा तांच जनमात ।) নগনেতে মহামায়া এতেক কহিয়ে। अव्यान रेहन गाठा मार्टित जाशाहरव ॥ কি করিব বল রাণি উপায় ইহার ৷ প্রকাশ হইলে হবে কলক্ক অপার 🖟 🦈

िन मः विष्यय दानी ना मरद-व छन्। एस विनास तांखी कहिर **उपन** ॥ ভ করিবে বল ভূপ ইছার উপার। शतद माक विकारम् जनवार ॥ াতে পাঠাও দাত শাস্তী নগার। ि निशि खाना हैरव दासांत दुमारद ॥ ं २ ३१रव एचा तम विधि मरछ। ানতে কেই হ'ছু না পারে জানিতে। े যুক্তি করি দৌছে ন্তির **কৈ**ল মন। अन्तर मुख अक छाके दिन चानिल। অলের মতদেন দিখন লিখিল।। শক্ষা বরণ যে করেছে তেখারে। इन स्थानित्वम क्यांतिक मनद्र ॥ াশারে তারিণী আমি করিব স্বর্পণ। ै वाख विवस्य वामित अथन।।

श्व निथि मजरान पृष्ठ इस्ट हिना।
स्थाप शंक कित मृष्ठ किश्य नाशिकः।
स्थाप शंक कित मृष्ठ किश्य नाशिकः।
स्थापी नगत (न इस भारतत नगः।
भारताम गारता किश्य दिश्य त्व स्था।
साम्रामिन नत्रभाव मन तथ नहः।
दिनम्न नाभ रह मृष्ठ नमन कत्रहः।।
ताम्रात मूलत तथ कित्रा गास्त ।
स्मिश्य तथि हिन्द कित्रा गास्त ।।
साम्राह्म स्था कित्रा हिना हिन्द

পণ রাণীর ভারিণীকে জিজ্ঞান।। ত্রিপদী।

প্রভাতেতে রাজ্বাণী, মনে হয়ে বাকুলিনী, কন্যাগারে করিল গমন। দেখিয়া কন্ধার মুখ, রাণীর বাজিন ভা অধ্যয়েখানা সরে বচন। वीति श्रीति वांनी कटा, प्रमहत्म वाहि वटा, कम रहिः इहेल धमन।

मारम यह शाहे राया, कर्नका दिवाँ छ।, कांति हरना भागात गत्रगा।

ওজ দেহ হইরাছে, বিবৃত্তথ শুকাইছে, দেখে প্রাণ বিদরে আমার।

तका करत भारत कड़, कान इर्थः इथि इछ, कड़ (हथि श्रीन कक्वांत्र।

श्वात खाना वाती, नाष्ट्र को दक्ताननी, व

विवास कनामित्र मन, छेट्ठे तानी उठका, विवास कर्माकी विभिन्न

তাকাইয়া স্থীগণ, জিজ্ঞানিল বিবরণ, কৃষ্ দেখি শুনিতব্ স্থানে।

কৌথা হতে এলো রায়, কেবা মিলাইল তার, কি ৰূপেতে ছিল এইখানে।। तक) करत स्यादित करू, श्राम स्त्र मा कतिहा, ़ তाबारमंत्र माहि किंदू स्माय। বাভার নিখন থাহা, কে খণ্ডিতে পারে তাহঃ

্ভাতে আনি নাতি করি রেখা। नामीश्रम (यांक करत, कहिरकाइ बीरम बीरत आए। यस मन निरंत्री বিভার হরে অকরে, ব্রেট মুখে নাহি স্ভে:

নিজাপারে রাণীর গংন ॥ রাজারে সকল কয়, সবিশ্বের পরিচয়,

😁 শামি এয়ে হর চথকিত। চণ্ডীকার পদে মন, 'থাকে যেন সর্বাঞ্চণ, এই ভিক্ন মানে মুম চিত। ज्य पूछ गर क्यालव ए दिए नम्दा ग्यन ুপরার।

রথ জারোছিয়ে দুত করিল গর্মন। व्यवतीत्क हर्ष्य तथ श्रेरस श्रवन !

ভ্ৰম্মানগরে রথ সমূরে উত্তরে। রথ বাখি পেল দুক ব্লাহ্নার নোচরে।। ें इंशियन दिशहाइ कमन **हाकम।** ত রিণীর ভাব খার নাছিক মরণ।। श्नकारन निर्देश पुत्र निष्ठित माथा। থাড়হাত করি দুত কহিতেছে কথা।। জিল্লাশিল নরপতি কোণা নিকেতন ৷ कि रहतू चाहेरन रहता कह विवतन ।। ्ड वान व्यवान एम महाभग्न । প্রতিভূ লগরে ন্ডপেন নর্রায়।। রার আজা পেয়ে মম গমন হেথার। িপিরাহে পত্র এই লহ মহাশয়।। ্ত বলি পত্র দিল ভূপতির করে। পান পেয়ে নরপতি হরিষ অন্তরে॥ शब भारते क्यालय हिन्न छहातेन । ठांदिनोत भूक छात्र हरेल बाजन।।

্বসিৰারে ছুতেরে করিয়া অনুমতি 🕏 বাটির ভিতরে তবে গেল নরপতি॥ 🦠 মায়েরে প্রণাম করি কহিছে রাজন ! যোড়হাত করি রায় করে নিবেদন ॥ শুনগো জননী আমি নিবেদি তোগারে : ন্ত্রেন নামে রাজ্য ক্রাবিড় নগরে। ভাঁহার তনয়া এক নামেতে তারিণী। আমারে বরিবে কনা! লিখে নৃপমণি 🕸 দূত সহ রথ রাজা পাঠাইয়া বিল আমারে যাইতে তথা ভূপাল নিখিল। অনুমতি যদি মাতা দেহতো আমায়। তবে আমি বিভা করি রাজ তম্যায়।। ্ শুনি রাজ্ঞী প্রকৃলিতা আনন্দ অন্তরে। भारत हुस मिरस शुर्ख करन भीरत भीरत । অবিলয়ে যাহ ৰাণু ভাবিত ছবলে। বিভা করি রাজবালা জানিকে এখানে॥

हिनीश (थरकांना यन ७ द्वःथिनी मांध्र । সূত তাকি দিন গতে **অ'সিবে ছরার** !! নায়ের নি নাট রায় মাগিয়া মেলানি ংক্ষর ভাবিভেতে যায় নৃপমণি !! া সহ সেই রখে উঠিল রাজন। া রথী চালায় রথ প্রন গ্রন।। राविष् नगरत तथ भिन म्यमन। াজ সভ। মধ্যে উপনীত ছই জন। া নধ্যে আছিলেক যত ঘিলগণ কলের রাজমুক্ত বন্দিল চরণ।। চদন্তরে ভূপতির চরণ বন্দিল। 🤫 कृति गम्राम्य जूर्भ दमहिल।। েনন্তি মডরাজ কমলে ছেরিয়ে। স্জাদিল কমলেরে মতন করিয়ে॥ व्या नौम पत राश्र कार्शत नमन। ত্য করি কহ বাপু করিব অবণ।।

রাজার তন্ম তাবে যোড় করে কর। करली नगरत पूर्ण कार्यात जानर ॥ खर्द्यम् मार्ग् ताङ्गा सारम् गर्मद्रम् : ক্মল আমার বাম তাহার নক্ষ।। তব পত্র পেয়ে আমি আইনু হেথায় । কি কৰ্ম করিব আনি কহ নহাশ্র॥ মত্রসেম কছে তবে মৃত্তরে বাণী ৷ ন্ম কন্। আছে এক নাৰেতে তারিনী।। नर्क मूलक्षना कना। शांक निकाशास्त्र । তোমারে করিবে বিভা চণ্ডীকার বরে।। আমার বাসনা মনে ছিল বহু দিন। তোমারে তারিণী দিয়া ফারব বিশম। মম অভিলাষ পুৰ্ণ ক্রিলেন্ রিবাদী। তব সহ বিভা **दिव**्**लोगांत्र मन्दिनी** ॥ र्श्वनिया (य नव्यक्ति निम्नास्य बहिन। ( हरेब्र ७ जूर्भाव्यत कहिएक वाशिन।।

্ব আক্রা করিলে রাজা করিব পালন। गांध वात पर सर्भ करह गर्जाकत ॥ শিরে দ্য দিয়ে রায় আশীর্বাদ করে। विवाह छे:मान कात रहिए अछस्त 🎚 দূতেরে ডাকিয়' শাক্তা দিলেক রাজন। গণক ভাকিয়া আন করিয়া যতন।। আজে পেয়ে গেলমূত গণক ডাকিতে। অবিলয়ে আনে ভারে রাজার সভাতে !! বেদমতে আশীর্ষাদ করিয়া ভূপেরে। 🗀 গণক বন্দিল গিয়া সভার ভিতরে॥ क्रमणिति छ्छोकात हत्र प्रश्नानी । বির্চিত নৰকারা ক্ষণ ভারিনী 🛚

> অথ কমল তারিনির গাত্তে ছরিজ।। ত্রিপদী।

গণক দেৰিয়া রায়: অনুসতি দিবতায়, শুন কহি গণক এখন। কন্যার বিবাহ দিবো, সকলেবে নিমন্তীবোর করদেখি দিন নিরূপণ। গণক গণিয়া কয়ঃ শুন শুন মহাশ্য

পরিষ্য আছিয়ে শুভদিন।
বারগুরু বৃহস্পতি, বাহনী নক্ষর স্থিতি,
বাশনাম কহিবে এখন।
কন্যারাশী কহেরায়, সরাস কমল করু,

গণক গণনা করে তার। বর কন্যা একরাশি,গণনায় মিলে আশি,

ন্ত্র ভোটক মিলিতেসার।। পাত্রমিত্র শবেকয়, এই লথে মহাশর.

विवाद्यतः मिन निकल्प।।

সকলে হল সমতে, রাজার হইলমত, ডাকাইয়া ভানে ভট্টগণ।

नियञ्जीन नामा हम्म, परम्म विहम्म हिरम्

জহরহ যায় দট্টবাণ॥

বাদ্যবাজে নগরেতে, নরপতি হরবিতে, ্পুরহিতে ডাকাইল তবে। পুরহিত ছিজবরে, কছেরায় হোড করে, পর্যা তারিণী বিভা হবে।। গাতেতে হরিভাদিতে নময় ক্র ছরিতে, ছিন্দর কহিন্তে তখনা শুন কহি মহাশয়, অদ্য গোধুলি সময়, 'দেহগাতে হরিতা এখন।: সকলেতে দীল সায়, বা দীতে গেলেম রায়. রাণীরে কছিল বিবরণ। রাণির আ**নন্দমন, ডাকের্ল বধুগণ**, ডাকে যত প্ৰতিবাদীগণ।। তারিণীর বিভা শুনে, স্বার স্থানন্মনে, ত্রতথ্যে যত কুল্লন। णाहेन दिव तमगी जातरान नानिजिनी, तांकशृत आहेल नर्मछन्।।

ं भवाद्व माक्टल वास, वानाम अमृत राह्न, हलातांभी जातिगीत्रधारम। वंभिन्नास त्राजवाना, ध्यम पूर्व स्मानकत्रा, मचित्रभ वर्षेशास्त्र दास्य।। क्रिक्ट बार्बनानी, धनवनीत्राकानिनी, उर रिजामियमा अथनः। জরন্ডি নগরে ধানঃ রাজা জয়ৎবেন নাম कमल (य छोहाद सन्तरः। বিভা করিবারে আশে, আশিয়াছে মনহালে मात दुशी कर्त्रक बत्रा। गारमञ्ज्ञ सभीमा वाणी, अस्तव्याननी उपनी गांक छात्र मांक इन् वहन ॥ গোধুলীতে শুভক্ষণে, হতেক রম্ণীগণে, হরিডা শাখার ভারিণীরে ৷ णानत्मार द्यामहनी, कात्राक्र प्रमुखनी, क्ष्र क्र न्त्राधनी क्रता।

প্রফ্রীতা নারিগণ, করে মঞ্চাচরণ, वामा मास श्रीतन समसी। দ্বিজেৰ ৰাটিভে ৰাখ্য, কমণে লইৱা যাথ্য-ভিত্তাকি বলে নুপ্সনী।। वृत्रशास्त्र इतिजा तहर, अडकारी निकार, ्रथा , शक इहेर अथन । व्यालनि अधाक हत्। अउक्तरी निर्वाहिता, কর্ছ বিনাই সমর্পণ।। कार्यान्द विषयमी, स याद्धा (६ मृथ्यमी) राम दिल्लाहेलां कमरण ५ ন্ত্ৰাপন বাৰ্টতে গীয়ে বজু কৰলে বশায়, डाक्क्वीद्ध मुक्क्या बद्धा বিজয়াণী হর্ষিতা, ভাকিয়া নিজ ছুছিতা, প্রীতিবাসি সকলে ভারিল। বাত্রাপেরে রাজপুরে, ধেয়ে এল উভরাঁড়ঃ রামাগণ কেশবেশনাবন্ধীল।।

ব্রুরে দেখিতে যায়, বাল্য রক্ষ যুবাধার, উপনিত দিজের ভবনে। द्विजन्त न्द्रन्द्रा, यन्त्र याग्राजनीय, वलाइन क्रमल युज्य ।( কমলের জপহেরি, মোহিত সকল নারি, निःमाप्या द्वार मर्सकन। একদৃষ্টে দুষ্টকরে, বদন ফিরাতে নারে, কপোকাশে পড়ে রামাগ্র:। (क्षूत्त विकश्री, एत्नक्भ नाहि प्रशि थाश्याति किया हिस नम । জনমিয়ে কীতিতলে হেন্বপ কোনকালে কভুকেই দেখেছ কখন। इक्षित्रकमा छातिनी, ब्राल रेजनका व्याहिसी वरतरम्थि देखंनका माइन।

शहकना। बहैरात, विधि मिनाहैन रहा. इहेशारह शुंचान मिनन।।

এकम्बि वाल महै, अब्दालत जुना कहे, অতুলনাতুলনা রহিত। वदाल बहाली लाहे. विवास सहैता जाहे. एव। एव इरे अकरत मिलिए। বাকাশুধ পান করে, ক্যা চুটা যার দুরে, घुटि । इभागत तमन একজনেবলে স্ই, একি শপৰ্প স্ই, হোখা হৈতে আনিলো রাজন। मनिया रुपाठ गयु. (मवर्ग) यहाली ह्यू, ं दक्षकारत वरन शास्त्र है।। ছিম্বর আশিক্ষ, হল গোধুলী সময়, वत्रभांद्य एतिसामि एए ।

বিজেদিল অনুষভি, যার যত রস্বতি, বরগারে হরিজ। মাখায়।। ভিক্কন্যা সকলেরে, কমল প্রণাম করে, পদ্ধূলি লইল মাথায় () 378

পর দিন হলো প্রভাত, আনন্দে আইবড় ভাত राष्ट्र बाभी मिल छात्रिभीटः । ष्यानरम विक तमगी, यह राक्षन तक्षि पनी, 😬 পাওরাইল যতে কমলেরে॥ তদপরে রাসাগণ; ভলশইতে তথন, সকলেতে করিল গমন। পরম মুদ্রৌ নারী, বিচিত্র বসন পরি, थ।हेस: चाहेन नर्कडन।। কেহ নিলা কুলা মাথে, কেছ বরণভালা ছাথে কেই নিলা ভূকার করেতে। পুলকে পূৰ্ণিত কাৰ্য়, কেছ উলুক্ষনি দেয়, কেই শঙ্খ বাজায় ভুরিতে।। জ্বিবাস আদি যত, শুভবর্ম নিয়মিত, আনন্দ্রীরিল রামাগণ। ... हं हो वात्र भरि बने शिक्त स्वन चनुक्त अमारमञ्जूषे अभिक्षिन।।

#### অধ কগণ ভারিণীর বিবাহ।

এথা বায় সভা করি বসিল তখন। ্র দিগ হইতে আইল রাজাগণ।। পতির কিবা সভা নাহিক্তুলনা। ভেম্ব গভের যেন সভার রচনা।। ট্ মতে লক্ষা ধ্রবা রা**থে স্থানে।** pa: ভানে কেবা রাখে কেছ নাছি জানে।। মনতে নানা প্রব্য করে আহরণ। निर वीमा वीट्स एक क्टन वर्गम ॥ গদিগান্তর হৈতে ভূপতি আইনে। াকারে নরপতি আপনি সম্ভাবে।। যমন ব্যক্তি তারে করে সম্ভাবণ। নং বসিলেক যত রাজারণ॥ । হরিডা বংসা করে বিভরণ। কার কেবা তার করিবে কান।।

দরিত ভিষ্কুক যত ধনেতে তুবিল। দ্বিজগণে নরপতি বহু দান কৈল।। হেনমতে দেই দিন গত হয়ে যায়। পর দিন হৈল তবে সন্ধার সময়।। অনুমতি দিল তবে মন্ত্রদেন রায়। বর্শন্দা করি বরে আনহ সভায়।। শাজয়ে বিচিত্র রথ চলিল শার্থ। সংহতি চলিল তার অসংখ্য পদাতি॥ नाना दारा वांत्य उथा क्करत भगना। সুমধুর করে বাজে কতেক বাজনা।। পাইক সহস্র শত ধায় চারি ভিত। ছিজের বাটিতে গিয়া হল উপনীত।। রাজ অভিন পায়ে ছিজ নিজালয়ে পেণ বরে সাজাইয়া পিট্ত নারীপ্রণ বৈল।। भारतमञ्जूनाती य**र विदेशत अवन**े। वरतत भी चारक दान चारेन उसनि ॥

নিনাগান্তে কমলের আলো করে **রূপে**। 😕 গৰে এ ৰূপ সাজাৰ কোন ৰূপে ধ ।ণাকাণি করি তথে যত রামাগণ। ाहिन कमालात वज या एत्रा ॥ নৰি পুলের মাল্য দিলেক গলায় ট ্রবাপে খোহু রেল যত খোহিলায়। জেনারী সংব রাজা প্রণান করিয়ে **।** র যত গুরুজনচরণ বনিয়ে।। ্ৰমতে শুভগানি দৰ্বজনে কৈব। ার ধীরে বাদির বাহিরে রায় গেল।। জেরে প্রণাম করি রথে গিয়া চড়ে। निथि हालांत्र तथ हटल घीटत घीटत ॥ খা রায় সভা করি লয়ে রাজাগণ। ব্ৰম্পর হয় সবে মিষ্ট আলাপন ॥ ণ্ডিভে পণ্ডিতে হয় শাল্পের বিচার। দ্যা শিক্ষা যে যাহার করয়ে প্রচার ॥

ছেনকালে আসি রথ হৈল উপনীত। বরে দেখি রাজাগণ উঠিল ছরিত।। রুগ হৈতে নাম্বি রায় সভাতে আ<sup>ইল।</sup> ভক্তিভাবে সভাকার চরণ বশ্চিল 🛚 রাজাগণে নরপতি সম্ভাব করিয়া! বরামনে পিয়া রায় বনিলেক পিয়া। বরের দেখিয়া ৰূপ যত রাজাগণ। লাজ পেরে নিজ অক করে আফ্রাদন। এক দৃষ্টে নৃপাগণ বারে দৃষ্ট করে।। वत्रक्षभ (मृत्थं काद्यां वाका नाहि खात । অনুমান করি কহে যত নৃপগণ।। मनुष्य अभन क्ल ना एकि क्यन। হেন্মতে কাণাকাণি করে রাজাগণ।। विक्रकाणि मिल नवाम माना ठमन। তদঙ্গে মতলেশ বোড়হতে কয়। প্রতিস্থা করিব এবে কিবা আজা হয়। उध उ विनश्न भरव हिन अबूबिक । कराल लहेश बाखा उलिल मध्यकि । বিশাহের স্থানে গিয়া কমল বসিল।। ভূত লথে নুরুপতি কলা। দান কৈব। বেদ মত পড়িতে লং**দিল পুরহিত।**। বিবাহ করে**ন** রার বেদের বিহিত। ী আচাৰ করিভে লইয়া পেল বরে। লক্ষেন। আইল সব বল্লে ব্যৱহারে ॥ রেম সুন্দরী সব রাজপুরনারী। নিন্দে দাণ্ডায় দৰে বর ক্র্যা ছেরি।। कान धनौ धुकूतांत्र अमील खालित। कान धनी अँ जाकाल दत व्यक्त पिन।। ब अमिक्न मत्त्र करत् मख्यात् । ৰ কন্যা চাক্ষ**ৰ করার আর বার ।** बाम्हामन कति मिल तामानगः। एयए प्रेमान त्यनिन एयन ।

ভারিণীর মান তখন পলাইল ছরে। নাগরে হেরিল ধনী কটাকের শরে।। ইসদ হাবিদ রায় হেরিয়া তখন। **अबकार्य ब्रेजरम देवन म्त्रमन** ॥ বস্ত্র আচ্চাদন তবে খোলে রমাপণ! व्य क्नाः छ्डानां स क्यस्य ववन ।। वरतत वत्र करत नित्रयोद्दनारत । हरस्र ए वस्त्र करत भाकू निया करत । **কেন্মতে কুলাচার করে রামাগ**ণ। रवस्विधिमार्छ विको देवन समार्थन।। विवाशास्त्र खाङ्गमामि गर्सकत्न करतः। वत्र कनाः नास्त्रं मेरवे भिन वामघरत् ॥ হাদয়ে ভাবিয়া চ্তিকার এচরণ। তদ্ভৱে কহিশুন বাসক বৰ্ণন।

### व्यथ दागत वर्गन।

वद्यकत्। मदन करतः, आंबक् मह अखरतः, त्राभागन तान यान घटना वहक्रमा अल्प्स्सं, दमारेल पूरे छ्टन, কুলাঙ্গনা চারিছিকে বেরে। তবে ব্রামাণণ কর, কছ দেখি মহাশয়, श्वनिक्व यथुत वहन्।। कांगाएव अलाविनी, यांगालाब कांम्बिनी, ভোমারে করিল সমার্পণ। क्रभ प्रथ उनम्बि, जिनियार पिनम्बि, **हिन्दुरिय भएनर्थ भएत् ॥ ८एवर अरह नवा, किरम याव थाक होक**ः. राका खनि-क्वांकिन कुश्द्वा। তারিণী পাঘনী ধনী, ভুমি স্থলী গুণমণি, एक तिहा गश्कर भान।

मधुभाव मञ्ज हत्त, सम्रोह त्थकना पूर्व, व्यामारेम् व वरे व्यवधान ॥ পুরুষ নিষ্ঠুর স্থাতি, বঙ্ই কঠিন মতি, श्रमान (मथ्दर खनमनि। পचिनी खगत चारम, नितरुत कलाजारम, जात करव इरव निनर्माण।। मिनग्रन (य উদিত, भाष हर अक् हिल. नश्रातार वर्ग गर्कत्। 'বে পৰেতে মধুপার, তাতে গিরা মধুখ कर्माह तरहमां अक्खत ॥ াৰ প্ৰশ্ন কেমনে বন্ধ মনে ভাবি মহাশয় कक् लिथि हेरांत्र विष्ठांत्र। शब द्राष्ट्र काल् काल्ल,कालि किस्त वर्ष मधु रनात माहिजात नात्र ॥ क्यन कहिएक वर्ति, भाषावटके छव वाली सन कामिःकति निरंदिरण।

**এक् मिस गरतावरतः, मिस्न इरे. श्रवरतः** নিতাবেশে পথ এক টিড।। কোল, ছিল অলি ব্রায়,ছেখিতে পাইল ভাষ, अध्याप्त अरमजः श्रीबृद्या সুথে ফলি শৃশার, শ্বিনী চেত্র পার, मिर्थ कलि भाषा आहि वरम ॥ जगात्रत करू बाल, तिश्लक मामकानः সাধে অলি চরণে ধরিয়া। ग। जारू भाषत मान, मान चारि व्यभमान, यां वाल कान्तिशरा। পরে দে পথের গতি, শুন কহি যে তুর্গতি, शुनः काल उथा मा व्याहेल। भाष मधु शूर्व द्वार, जबद ना काट्ड बाह्र, गमानन विश्वन बाष्ट्रित ।। **4**दि म भाषात कोटा, धदात भोका क्रिसिंह, मध्राला जात कार चार ।

. ज्यान श्रीमानी धनी, जान एक हे भामिनी, अकृत भिलम इता वारक।। र्के इस के माहि होती, नाति भन्न होति हारि প্রমাণ হে কছিব ভোমারে। ৰাচ্ঞা ৰাভায় মান, কান্দিয়া নোহাগ পাহ পর পর সকলেতে করে ॥ नार्थत अभिन्ना वांगी, वृश्चित्रा ভातिनी धनी भक्षमधी मानाउ कानिल। किर्विशास कामाणास, ताकवानी अन यह वानच्यत चानिया विनल।। কৰিছেন রাজরাণী, আমি ছিজের রুগ্ণী আইলাম জামাতা দেখিতে। আশীর্নাছ আমি করি, তারিণীর আন্ধার रुरा कोन इत रविराउ॥ पर करण तामानग, यत गर जानाशन, পরিহার সকৌতুকে করে।

কেছ তারিণীরে লরে, কমলের কোলে দিয়ে,
আনন্দিত হইর। অন্তরে ।
বাক্য আলাপনে রায়, বাসরে নিশী-পোহার,
উদিত হইল দিনমনি।
বসুদান এই বলে, চাওকার পদতলে,
আণ কর শিবসীমন্তিনী।।
তথ কমল ভারিণীর স্বদেশে গমন।
প্রার।

প্রভাতে উঠিয়া রায় কহিল রাজারে।
বিদায় করহ যাব জরস্তি নগরে।।
পঞ্চ দিন রাজ্য ছাড়ি রয়েছি ছেথায়।
অবিলয়ে যাব আমি করহ বিদায়।।
রাজা বলে ভাবনা কি কর বাছাধন।
নম রথে পাঠাইব তব নিকেতন।।
যৌতুক সামগ্রী সর্ব পাঠাব পশ্চাতে।
নার্থিরে আঞ্জাদিল রথ সাজাইতে।।

সাজায় বিচিত্রথ সার্থি তখন। কি কব রথের শোভা নাকায় লিখন।। কুলাচার ক্যাস্ব রামাগণ করে। পঞ্চ স্থী তারিণীর আইল সম্বরে।। ক্রে তারা আমর: যাইব তব সবে! দেবিব চরণ দোঁছার ৰড় সাধ মনে॥ ইঙ্গিত করিয়া আজা দিলেক তারিণী। আনন্দেতে রথে তারা বসিল তখনি।। রাজরাণী ধরিলেক ভারিণীর করে। क्यत्वत्र कृद्व मित्र ममर्भव कृद्व !! বলে বাছা দেখানোর বড় আদুরিণী। তারা আরাবনা করে পেনেছি ভারিণী।। ्रिन कन्मा क्वाबाद्ध क्रद्धक्रि नगर्भव। क्कातिया ताजतानी क्वार क्लाना নিবারণ করে জাঁরে প্রাক্তিবাসীগণা। এ সময় কেন রাণী কুরছ রোদন।

তবে বার প্রণমিল রাণীর চরণে। প্রণমিল পুরবাদী যত নারীপণে। যোড়হাত করি সবে মাপেন মেলানি ! कालिए जाशिक खरब काखक त्रामी । তদন্তরে প্রণাম্ল স্বস্থরের পায় i भिद्ध रेख भिन्ना चानीकाम् कद्व तात् ।। দামতারে হেরিরার কান্দিতে লা**গি**ল। ्वग्रान विषास फिरस खोर्प वाहि वल ॥ কাহ বাপ ভোষা দোহে নারিব পাঠাতে। কেমনেতে ধর্যা ধরে রহিব গুছেতে ম এই রাজ্যে থাক বাপু রাজত্ব করছ। 📑 क्षांत्राद्ध दिनाम **भामि तास्त्रा**म स**ह**॥ ইন্ধ নাতা আছে তব আনহ হেথায়! ांचा क्रिंट ना क्लिक कीवन मश्मय।। এতেক শুনিয়া রায় কাই ধীরে ধীরে। गिन्छि कतियां करह तूमधूत द्वात ॥

একবার দেশে যাওয়া হয় শাস্ত্রনত। পশ্চাৎ করিব ইনা যে হয় উচিত।। এত বলি মদ্রগেনে শান্তনা করিয়ে। আর যত ছিজগণে চরণ বন্দিয়ে।। সভাসদগণে রায় মাগিয়া মেলানি। তারিণী সহিত রথে উঠে নৃপমণি।। ় পঞ্চ সখী তারিণীর বৈসে বামপাশে। দিনমণি রথ যেন গগণে প্রকাশে।। তারিণীর **রূপে** যেন বিঙ্গ**া**ই খেলায়। বসনে ঢাকয়ে ৰূপ চাকা নাহি রয় । কিন্ধ সে ব্ৰুপের শোভা নাহিক তুলনা ৷ क्ष (मिथ भाहिल इहेन नर्कज़न्।।। काथा यात्र वरल भरद कारन एमि तांस । যোজহাত করে রায় সকলেরে কয়।। বৈধ্য ধর সকলেতে আসিব পশ্চাতে ৷ मात्रियत बाडा हिन तथ हानाहर ।।

আন্তলিয়া রথ রহে প্রতিবাসী গণ। गुनाट होनाइ तथ कर्वन त्रावन ॥ বাজ আজা পেয়ে তবে নার্থি তথন ग्लाक हानास तथ প्रवन भगन।। ক্রলের রথ যখন হৈল অন্প্র हाक्षा होनी पृष्टे । जीव कहार्द्ध **कन्मनः** ॥ কোণা গো ভারিণী বংল কালে উভরায়ঃ প্রতিবাদী সবে আদি দোঁহারে বুকার। নিয়ামন্ত এই কর্ম আছে পুর্কাপর। বিভা দিলে কন্যা যায় জামতার ঘর 🕩 उत कना। धामतिनी आनिश जुतिएछ। শোক নাহি করে। রাজা ধর্য্যধর চিতে।। পুরবাসী কথা শুনে ছির করে মন। সকলেতে চলি গেল নিজ নিকেতন।। হৈথায় চালায় রথ খুনোতে উপরে। व्यविनास (भन तथ समूखी नभात ॥

চণ্ডীকার চরণেতে মজাইরা চিতঃ।
কমল তারিণী লীলা করিব রচিত।
অথ কমল তারিণীর দেহ তাগি।
পয়ার।

कराखी नगरत तथ पिन प्रमन। ভারিণী সহিত রায় দাসী পঞ্জন 🖰 রাজপুরি মধ্যে রথ সার্থি রাখিল ॥ बाका जाना विका कः व वह भम इता।। প্রতিবাদী গণ সর আইলো দেশিবারে। কুলের কামিনী সবে আইল সহরে।। অন্তর মধে।তে গেল কুল বধ্ গণ। कार्तिनीरत मिथवारत हरन मर्सक्त ।। अख्रपुरत देहा तानी मूमरनाम अत्न। বছকে আনিতে জায় প্রফুল্লিত মনে।। कूलवधु नार्तिभारंग माम्बर्फ करेरत । मक्नाहत्व बना नृद्य हरन (रहा

াদী সহর্থ পরে বসীয়ে তারিণী। ্রপ হেরি চম্কিত যতেক রমণী।। ারিণীর রূপে আলো করে রাজপুরী। ন্ধ হয়ে দৃষ্টি কক্লে মতেক শুকরি।। লে সবে কিবাজ্বপ এই কোনজ্ব। अवक्रा) इति दुवि एक लागमन ॥ (१९ के करून) भव अक्ला इंहेर्स । त कना। घरत स्थारन छल्यानी पिरव १ ाक्तां हहन मृद्य करत नातीयन। ্জরাণী পুত্রবধ্র চুছিল বদন ।। ্ত আশীর্নাদ করি নিল নিজ্যবে। বা**দ্য শব্দ নিত্য গীত নৃত্যকীতে করে**॥ নরপী নিজরাজ্য কররে রাজন। ेपारक इरेला बाब्बात युशन नन्दन ॥ কছুদিন গতে রাজা সভা জনে বৈল। িন্দু পুজেরাভ্য ভার নিয়োজিত কৈল।।

পরেতে হইলো রাজার আগন সময়। াতারিণীরে কছে প্রিয়ে বলি ছে তোমার। আমার হুইল দেখা অন্তিম সময়। কি করিব কি ইইবে ইহার উপায়।। ্তারিণী কহিছে নাথ কবিণীহে তোমার। বালাবিধি আমি সেবিয়াছি চ্ভিক্রায়।। একবার ডাকি দেখি কি করে শন্তর। ন্তব করে চণ্ডিকায় যোড় হন্ত করি। वल याला मगामग्री चुश्यनिवादिनी । व्यामन मंगरा प्रथी (तक शा जननी।। क्षांमशी पूमि काली टेकवलामा शिमी। ধরাতলে ভব নাম ত্রিলোকতারিণী।। ্ অ'মাদের হইয়াছে ছাত্তিম সময়। महामही अ मानीटन रुख मा नम्हा।। এতেক বলিয়া যদি ভারিণী ভাকিল। কৈলানেতে ভগৰতী অন্তরে জানিল।

গাীর যুচাতে তৃঃধ নহেলের স্থায়।। रानाशिद्य रमव्यानी वटनन पर ज्या।। ওন বাছা ভারিণি গো কহিব তোনারে। শ্দ দাসী ভোৱা মোর বিদিত সংসারে।। कवारन नईया वर्ष भाति ध्रे जरन। कल कल नामना पांच्या भन भन्ता। মত্যলচ্ডিকা এত করে মুরপুরে ! ষ্টে এত খ্যাত কোৱা করন্থ সংসারে ।। . পুনর্জন নিতে হবে বনিকের ঘরে ! अञ्चल यांद्र भूनः दैकलांगन्तिभटत् ॥ কলিবুণে যুগ ত্ৰত হুইবে প্ৰকৃশ। राक्षा करंद करत यहि धूर्व हरव जाना ॥ পুতার্থির পুত্র হবে ধনাথির ধন। प्रतिख क्रिंदिन इटन कृष्य मिन्। वर्ग .रेमवमानी श्वनि भोट्स विमास समिल। उज्जल वह जल म (मर् जा जिन।)

কান্দিতে লাগিল তবে যুগল নদান।
দাহকার্যা ছজনার কৈল সমাপান।।
অশৌচাতে আদ্ধ তবে করে ছই জনে।
নিজ রাজ্য করে দেঁছে মিলি ব্রুগণো।।
ক্রমরে ভাবিয়া চণ্ডী চার্মপ্রা অপিণী।
সমাপ্ত হইল এন্ত ক্মল তারিণী।।
মহামারা যদি মম পুরাণাভিলাব।
চণ্ডিকার ব্রতলীলা করিব প্রকাশা।।

ইতি সমাপ্ত।

# শুক্ত শুক্ত পত্ৰ

পশাক	भू० रिक्	অশ্ব	শুদ্ধ
\$	28	কায়েশু	লুকায়ে
3.5	8	ऋत्रमा	আলস্য
á.	20	<b>%</b> †9	* क
<b>'</b> \$	ડેહ	চিন্তা	, চিত
# <del>₹</del>	b .	यञ्ज	যদেৱ
र्७	G.	চুপেং	গোপনেতে
> 12	>2	ख'लगा	কালস
スや	ক	<b>ठ</b> क्षीक्।	<b>চ</b> ঞ্জিক
জ্	2.2	र्गाउठ!	চণ্ডিকা
<b>4</b> %	20	রথাকঢ়ে	রপোপরে
ે <b>લ</b>	₹	স্থান	হান
· • • · · · · · · · · · · · · · · · · ·	70	खवा	खड
క్ష	>2	তৎায়	তথায়
৫৯	2.2	गश्रत्	অন্তরে
4	<b>?</b> F	नांत	भारत

## শুদিপত্র

.88	₹ .	অতলনা	অনুপ্ৰ
8 <b>¢</b> .	\$	শুসি	স্থ্য বি
٤ ۶	;o .	नीद	अः
¢à	<b>\$</b> 8	বেহার	विश्:
≥8 ×	şo	প্রয়িস্নী	<b>ह</b> न्द्रागनी
509	4	করিয়াছ	क दिशाहि
>>0	30	करङ्ग	करत्र
>>¢	<b>,</b>	পংত্র	প্ৰাট
44	50	নহারাণী	মহার ণ
350	8	<b>बृ</b> हेर ज	<b>যু</b> ধে
66	9	বড়ই	₹!
66	#	থেরে	<u>ৰোক</u>
46 -	35	व्यक्ति	আ
339		পরবাসী	পুরবার্গ
.46 .	25	ষ্ট	তু
>冲·	8. *	*ক্রে	<b>স্ভ</b> ়

# ও দ্বিপত্র

		·	
66	Q	তথায়	কোখায়
"	30	<b>হ</b> ায় ২	<b>5</b> 40
61	35	বান	*:প্ৰ <b>ব</b> লি
*5%	F	* নাথ	नांश नांश
<b>&gt;</b> ₹¢	\$		वास्य विस्कृतां नि
46	ą	र्खानना	ग <b>स्थान</b> ि
755	Ġ.	<b>मिनी</b>	ना छान्। मिरन
३२ इ	3	ଦକୁ	
१२४	b	নিন্দু	শ্বী
46	44	रा/वि	শিকু ব্যাগি
२६	9	ওমা	পুনাশ ভূমি
₹¢	. <b>৮</b>	শঠতা করিয়ে	ত্ব:শ বর্জা <b>রপা</b>
156	b		न भारताता न भारताता
3.1	8	আনার	
( <del>2</del> )	૭	ভূপ	আমার ভূপ
	•	कमलद	क्मलात
		4.1 May	San

#### শুদ্দিপ্ত

<b>3 48</b>	\$8	<b>इ</b> श्व	हाटल
30¢.	20	<b>ন</b> কলের	मक (नरः
504	*• .,	<b>हुय</b>	<b>হ</b> াল
353	28	দ্ৰত ্	The .
\$85	36	কেশবেশ	কে
785	5.7	বরবে	वरक
380	<b></b> (	बमाशी	यमा '
28F	\$ <b>\&amp;</b>	পাত্র	পাই
785	<b>&gt; &gt;&gt;</b> :	ভর্ন	नश
	•	•	